राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार 18 –नवम्बर–2023 वर्ष–6, अंक–293 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के मतदाताओं से की मतदान की अपील

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। मोदी ने सुबह एक्स पर पोस्ट किया, मध्यप्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। मुझे विश्वास है कि राज्य के हर क्षेत्र के मतदाता पूरी गर्मजोशी से मतदान करेंगे और लोकतंत्र के इस महापर्व की रौनक बढ़ाएंगे। इस चुनाव में पहली बार वोट देने वाले राज्य के सभी युवाओं को मेरी विशेष शुभकामनाएं।

शिवराज की प्रदेश के नागरिकों से अधिक से अधिक मतदान की अपील

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लोकतंत्र के पर्व, मध्यप्रदेश विधानसभा के निर्वाचन के लिए आज हो रहे मतदान में प्रदेश के नागरिक अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करें और राष्ट्रीय कर्तव्य का निर्वहन करें। चौहान ने कहा प्रत्येक निर्वाचन का अपना महत्व है। हम अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। यह कर्तव्य प्रत्येक नागरिक का है। यह राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पूर्ण करने का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में समस्त मतदाताओं ने सदैव जागरूकता का परिचय दिया है। दिव्यांग भाइयों और बुजुर्गों ने भी मतदान में रुचि ली है। प्रत्येक नागरिक को अपने मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक कर्तव्य का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करना चाहिए।

'अब समय आ गया है...', इजरायल-हमास युद्ध में आम नागरिकों की मौत पर पीएम मोदी दुखी

प्रधानमंत्री मोदी ने फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से भी बात की थी। इसके बाद उन्होंने कहा था, समय आ गया है, जब ग्लोबल साउथ के सभी देशों को दुनिया की भलाई के लिए एक होना चाहिए।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध पर फिर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिलिस्तीन और इजरायल में हुई आम नागरिकों की मौत पर भी दुख जाहिर किया। पीएम मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल साउथ समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

शिखर सम्मेलन में मोदी ने कहा, ...हम सभी देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रही घटनाओं के चलते नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। भारत ने 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की थी। हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है। हम इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में आम नागरिकों की हुई मौत की निंदा करते हैं।

पीएम ने हाल ही में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से भी बात की थी। इसके बाद उन्होंने कहा था, समय आ गया है, जब ग्लोबल साउथ के सभी देशों को दुनिया की भलाई के लिए एक होना चाहिए। उन्होंने इस दौरान फाइव 'C' यानी कंसल्टेशन, कम्युनिकेशन, कोऑपरेशन, क्रिएटिविटी, कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दिया।

शिखर सम्मेलन में मोदी ने कहा, ...हम सभी देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रही घटनाओं के चलते नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। भारत ने 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की थी। हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है।

भारत ने विकासशील देशों के समक्ष आने वाली चुनौतियों और चिंताओं पर आवाज उठाने के लिए जनवरी में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के पहले संस्करण की मेजबानी की थी। उन्होंने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ 21वीं सदी की बदलती दुनिया को प्रतिबिम्बित करने वाला सर्वश्रेष्ठ मंच है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम 100 से अधिक देश हैं लेकिन हमारी प्राथमिकताएं समान हैं।

उन्होंने जी20 में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की चर्चा करते हुए कहा कि इस बार जी20 देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए धन देने पर महत्वपूर्ण गंभीरता दिखाई है साथ ही जी20 में ग्लोबल साउथ के देशों को जलवायु परिवर्तन पर आसान शर्तों पर वित्त और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की सहमति बनी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का मानना है कि नई तकनीक से ग्लोबल साउथ और नॉर्थ के बीच दूरियां नहीं बढ़नी चाहिए।

नड्डा की छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लोगों से जमकर मताधिकार करने की अपील

प्रदेश में शांति व समृद्धि स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग करें और राज्य को अविरत विकास के मार्ग पर अग्रसर करने वाली सरकार चुनें।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लोगों से विधानसभा चुनाव के लिए हो रहे मतदान में बढ़चढ़ कर भागीदारी करने का आह्वान किया । आज छत्तीसगढ़ के दूसरे और आखिरी चरण के लिए मतदान शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश में एक चरण में हो रहे चुनाव के लिए सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू हो चुकी है।

भाजपा नेता नड्डा ने एक्स पर कहा छत्तीसगढ़ में द्वितीय चरण के विधानसभा चुनाव के अवसर पर समस्त मतदाताओं से अपील करता हूं कि प्रदेश में शांति व समृद्धि स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग करें और राज्य को अविरत विकास के मार्ग पर अग्रसर करने वाली सरकार चुनें।आपका प्रत्येक वोट छत्तीसगढ़ के सुनहरे भविष्य का निर्माण करेगा।

मध्य प्रदेश के मतदाताओं से अपील करते हुए नड्डा ने कहा लोकतंत्र के महापर्व पर समस्त मतदाताओं, विशेषकर युवाओं से अपील करता हूं कि अत्यधिक संख्या में मतदान करें और प्रदेश की अविराम विकास यात्रा में सहभागी बनें। आपका एक वोट समाज के सभी वर्गों को उत्कर्ष प्रदान करने के साथ राज्य के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में निर्णायक सिद्ध होगा।

दुकानें बंद, सड़कों पर निकले लोग; नूंह में फिर कैसे सुलगी नफरत की आग

गुरुग्राम। 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा पर पथराव के बाद हिंसा की आग में जले नूंह में एक बार फिर नफरत सुलगाने की साजिश की गई है। गुरुवार रात वार्ड नंबर 10 में मदरसे की छत से पथराव में तीन महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद एक बार फिर नूंह में तनाव फैल गया है। कुआं पूजन के लिए जा रही महिलाओं पर हमले के विरोध में अधिकतर हिंदू व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी हैं। कुछ जगहों पर लोगों ने सड़कों पर निकलकर विरोध प्रदर्शन भी किया है। संवेदनशील हालात को देखते हुए पुलिस ने पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि राम अवतार नाम के व्यक्ति के घर में गुरुवार रात को कुआं पूजन था। परिवार की

महिलाएं और दूसरे सदस्य रात को करीब 8 बजे इसके लिए पास में ही शिव मंदिर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक करीब 20 की संख्या में ये लोग जैसे ही मदरसे के पास पहुंची। आरोपियों, जिसमें से अधिकतर नाबालिग थे, ने उनपर पथराव शुरू कर दिया। जांच में शामिल पुलिसकर्मियों ने बताया कि तीन महिलाएं जख्मी हुईं जिन्हें इलाज के लिए नूंह के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि पीड़ित पक्ष के लोग खुद को बचान के लिए वहां से भागे और इसके बाद सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एहतियात के तौर पर घटनास्थल और आसपास के इलाकों में भारी सुरक्षा की तैनाती की गई है। नूंह के एसपी नरेंद्र बिजारणिया भी स्थिति को काबू में रखने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मदरसा के मौलवी ने वहां पढ़ने वाले कुछ छात्रों की संलिप्तता की बात स्वीकार की है। उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए कहा, दोनों पक्षों के साथ बातचीत की गई है। गुरुवार रात घटना के बाद तुरंत ही दोनों पक्षों को अलग कर दिया गया था। इस बीच हिंदू व्यापारियों ने शुक्रवार सुबह से ही अपनी दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद रखा है। हिंदूवादी संगठनों ने घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त ऐक्शन की मांक की है। यह घटना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा पर हमले के बाद नूंह समेत हरियाणा के कई जिलों में सांप्रदायिक झड़पें हुईं थीं। हिंसा में 6 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। पुलिस ने हिंसा के बाद सैकड़ों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सीएम शिवराज ने परिवार के साथ किया मतदान

जैत (सीहोर)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के अपने गृह ग्राम जैत में अपने परिवार के साथ मतदान किया।

श्री चौहान ने विधानसभा निर्वाचन के लिए सीहोर जिले के आदर्श मतदान केंद्र ग्राम जैत के शासकीय माध्यमिक शाला भवन में मताधिकार का उपयोग किया। श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय चौहान एवं कुणाल चौहान ने भी मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि आज लोकतंत्र का महापर्व है। सबसे पहली अपील मतदाताओं से यही है कि अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। पिछले 18 साल में प्रदेश के विकास के अभूतपूर्व काम किए हैं। बीमारू प्रदेश को विकसित बनाया है और अब सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना चाहते हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काम कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इन कार्यों को लगातार जारी रखने के लिए प्रार्थना है कि भाजपा को वोट दें। उन्होंने कहा कि अब बहनों को लखपति बनाना एवं शिक्षा और स्वास्थ्य में क्रांति लाना अगला काम होगा। इसके पहले श्री चौहान

ने देव दर्शन से दिनचर्या प्रारंभ की। उन्होंने स्थानीय हनुमान मंदिर में नमन किया और अपने पैतृक निवास परिसर में माताजी स्वर्गीय श्रीमती सुंदर देवी चौहान की स्मृति में निर्मित मंदिर में भी नमन किया और नर्मदा घाट जाकर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 3 आतंकी मारे गए, सामनू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच कल से हो रही फायरिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों के एनकाउंटर में शुक्रवार को 3 आतंकी मारे गए। तीनों आतंकी लश्कर ए तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फोर्स के बताए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, 16 नवंबर की शाम सामनू इलाके में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद यहां एनकाउंटर शुरू हो गया।

हालांकि शुक्रवार सुबह एक बार फिर दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई, जो अभी भी जारी है। सूत्रों के मुताबिक, यहां 3 से 5 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

पिछले महीने श्रीनगर में आतंकी ने पुलिस इंस्पेक्टर को गोली मारी थी

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पिछले महीने ईदगाह इलाके में एक आतंकी ने पुलिस इंस्पेक्टर को तीन गोलियां मारी थी। गोलियां

पेट, गर्दन और आंख में लगी थी। इंस्पेक्टर की पहचान मसरूर अली वानी के रूप में हुई थी।

सरूर येचिपोरा ईदगाह इलाके के रहने वाले हैं। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन TRF ने ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमला उस समय हुआ, जब मसरूर वानी स्थानीय लड़कों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे।

सितंबर में 3 अफसर, 2 जवान शहीद हुए थे

जम्मू-कश्मीर में 13 सितंबर को आतंकियों के साथ दो मुठभेड़ों में 3 अफसर और दो जवान शहीद हो गए थे। शहीद अफसरों में सेना के एक कर्नल, एक मेजर और पुलिस के एक छ्स्क्शामिल थे।आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस वक्त गोली चला दी, जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। एक जवान की मौत राजौरी में हुई। इस दौरान दो आतंकी भी मारे गए। यहां सर्चिंग के दौरान मंगलवार को सेना के डॉग की भी मौत हो गई। उसने अपने हैंडलर की जान बचाने के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगा दी।

मराठा आरक्षण पर बिल लाएगी शिंदे सरकार, बताया- कैसे राज्य पर 50 पर्सेंट लिमिट तोड़ने का अधिकार

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के चलते दबाव झेल रही महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार नया विधेयक ला सकती है। सुप्रीम कोर्ट से खारिज किए गए मराठा आरक्षण को लागू करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में मराठा आरक्षण की मांग के लिए इन दिनों जोरदार आंदोलन चल रहा है। सीएम एकनाथ शिंदे ने खुद आंदोलन के नेता मनोज जारांगे पाटिल से बात की थी और उसके बाद 2 जनवरी तक का अल्टिमेटम देकर आंदोलन खत्म हुआ था। अब राज्य पिछड़ा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सरकार मराठाओं को बैकवर्ड घोषित करेगी। इसके बाद बिल लाया जाएगा।

यही नहीं बिल लाने के बाद सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल क्यूरेटिव पिटिशन भी वापस ली जा सकती है। सरकार के सीनियर मंत्री ने कहा कि मराठाओं को पिछड़ा घोषित करते हुए राज्य सरकार एक नया विधेयक ला सकती है। राज्य सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें उसने पिछड़ा आयोग से कहा है कि वह मराठाओं के पिछड़ेपन को लेकर डेटा जुटाए। इस डेटा से सरकार को मराठाओं को पिछड़ा घोषित करने में मदद मिलेगी। इससे पहले गायकवाड़ कमिशन की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उस रिपोर्ट पर ही सवाल उठा दिए थे। ऐसे में इस बार डेटा पूरी मजबूती

के साथ रखने की तैयारी है।

मंत्री ने कहा, %2018 में मराठाओं को सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़े के तौर पर जो आरक्षण दिया गया था, उसे सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज किया था कि इसमें पिछड़ेपन के आधार सही से नहीं दिए गए। ऐसे में सरकार ने अब नया कमिशन बनाया है और उसके डेटा के आधार पर ही फैसला होगा। उन्होंने कहा कि एक बार रिपोर्ट में यह बात आ जाए कि किन परिस्थितियों में मराठाओं को पिछड़ा माना जा रहा है तो नया विधेयक पेश कर दिया जाए। इससे पहले 2018 में हम जो कानून लाए थे, उसे सुप्रीम कोर्ट ने कमियां गिनाकर खारिज कर दिया था। इसके अलावा गायकवाड़ कमिशन पर भी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाए थे।

एकनाथ शिंदे कैबिनेट के सदस्य ने कहा कि 127वां संविधान संशोधन 2021 में पारित हुआ था। उसके आधार पर राज्य के पास अधिकार है कि वह आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से अधिक जरूरत पड़ने पर कर सके। अब यदि मराठा आरक्षण को लेकर आई रिपोर्ट सपोर्ट करती है तो हम लागू कर देंगे। माना जा रहा है कि जनवरी में पिछड़ा वर्ग आयोग अपनी रिपोर्ट पेश कर सकता है। इसके बाद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले विधानसभा में बिल लाया जा सकता है।

संपादकीय

कनाडा में कठिनाई

अलगाववादियों का एक समूह कनाडा में लगातार भारतीयों की चिंता की बड़ी वजह बना हुआ है। वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक शिविर का आयोजन किया था। इस शिविर में कनाडा में रह रहे अवकाश प्राप्त भारतीयों को जीवन प्रमाणपत्र दिया जा रहा था, मगर खालिस्तान समर्थक तत्वों ने इस शिविर के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत में शासकीय सेवाओं में रहे बहुत से लोग सेवानिवृत्त होने के बाद कनाडा में रह रहे हैं। जीवन प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए उनका भारत आना आसान नहीं है, ऐसे में, भारतीय दूतावास शुरू से ही ऐसे शिविरों का आयोजन करता आया है, ताकि विदेश में रह रहे बुजुर्गों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। खास बात यह है कि यह शिविर ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में खालसा दीवान सोसायटी के गुरुद्वारे में आयोजित था। शिविर की सूचना जैसे ही फैली, वहां सिखों का एक समूह जुट गया और भारतीय दूतावास के अधिकारियों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। खैर, किसी तरह से वहां से दूतावास के अधिकारियों को पुलिस सुरक्षा में निकाल लिया गया, पर ऐसा कोई भी घटनाक्रम बहुत अफसोसनाक है। भारतीय दूतावास की ओर से पहले भी यह चिंता जताई गई थी कि प्रदर्शनकारी सामान्य कामकाज में भी बाधा पहुंचाने लगे हैं। यह ज्यादा चिंता की बात है कि कनाडा सरकार अलगाववादियों के प्रति जरूरत से ज्यादा उदार है। इसका नतीजा यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों ने भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों को बाधित करने की धमकी दी है। अलगाववादी समूह 'सिख फॉर जस्टिस' ने पूरे दुस्साहस के साथ कहा है कि जहां भी भारत के अधिकारी जाएंगे, खालिस्तान समर्थक तत्व उन्हें जवाबदेह ठहराने की कोशिश करेंगे। भारतीय अफसरों को घेरने की यह साजिश वास्तव में भारत के खिलाफ किया जा रहा एक गंभीर अपराध है। ऐसे दिग्भ्रमित भारत-शत्रुओं की पहचान करना जरूरी है, ताकि कनाडा सरकार पर कदम उठाने के लिए पर्याप्त दबाव बनाया जा सके। दरअसल, अलगाववादियों की यह कोशिश है कि भारतीय राजनयिकों का स्थानीय लोगों के साथ संपर्क टूट जाए। जब संपर्क टूट जाएगा, तब कनाडा में उनकी जमीन मजबूत हो जाएगी। अलगाववादियों की यह साजिश न सिर्फमुर्खतापूर्ण, बल्कि इतिहास व वर्तमान के विरुद्ध है। आज दुनिया का शायद ही कोई ऐसा बड़ा देश है, जो भारत से न जुड़ा हो। जिस देश में भारतीय मूल के लाखों लोग रहते हों, वह देश भला भारत से संपर्क कैसे तोड़ सकता है? कुल मिलाकर, जिस तरह से नई दिल्ली पर दबाव बढ़ाया जा रहा है, उससे दिग्भ्रमित लोगों को कोई लाभ नहीं होगा। ये लोग भारत और इसके राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके खुद के लिए ही मुसीबतें बढ़ा रहे हैं। अपने विरुद्ध ऐसी अलगाववादी और नफरती सोच को कोई भी देश स्वीकार नहीं कर सकता। अत- कनाडा को भी जमीनी सच्चाइयों की पृष्ठभूमि में तार्किक ढंग से सोचना चाहिए। अगर वहां की सरकार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत-विरोध को हवा देना चाहती है, तो हमें हरसंभव तरीके से अपना विरोध जताना चाहिए। यहां सवाल कनाडा की आंतरिक राजनीति का नहीं है, बल्कि भारत की संप्रभुता व सम्मान पर प्रहार का है। कनाडा में रह रहे भारतीयों को भी सजग रहना चाहिए। चंद अलगाववादी माहौल खराब करना चाहते हैं, तो स्वयं कनाडा सरकार को समय रहते यथोचित पहल करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बने सशक्त नीति

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु परिवर्तन से उपजे हालात से मानवीय पलायन सदी का नया संकट है। असम का माजुली द्वीप इस त्रासदी का उदाहरण है। उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी की तेज धाराओं के बीच स्थित माजुली को दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप कहते हैं। सन् 1951 में यह द्वीप लगभग 1,250 वर्ग किलोमीटर में फैला था, और आबादी 81,000 थी। अगले 60 वर्षों के दौरान, जनसंख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 167,000 हो गई, लेकिन द्वीप दो-तिहाई कम हो गया था। वर्ष 1950 और 2016 के बीच, माजुली के 210 गांवों में से 107 गांव आंशिक रूप से या पूरी तरह से नदी की भेंट चढ़ गए। विशेषज्ञ चेताते हैं कि हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के साथ ब्रह्मपुत्र में तीव्र होते जलप्लावन से 2040 तक माजुली लुप्त हो सकता है। यहां से हर साल हज़ारों लोग पलायन करते हैं। जलवायु परिवर्तन से होते मानव-पलायन की सशक्त बानगी माजुली और राज्य के वे जिले हैं, जहां तेजी से नदियां अपने किनारों को खा रही हैं और खेती पर निर्भर लोग भूमिहीन हो जाते हैं और फिर किसी सस्ते श्रम की भट्ठी में इस्तेमाल होते हैं। दुर्भाग्य है कि हमारे देश में अभी तक जलवायु-पलायन शब्द को लेकर कोई नीति बनी नहीं। देश के सबसे बड़े मैंग्रोव और रॉयल बंगाल टाइगर के पर्यावास के लिए मशहूर सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगा नदी के समुद्र में मिलन स्थल- गंगा-सागर तक पड़ने की सबसे भयानक त्रासदी है कई हज़ार साल से बसे लोगों का अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना। सुंदरवन का लोहाचारा द्वीप 1991 में गायब हो गया, जबकि बंगाल की खाड़ी से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घोरमारा में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व क्षरण देखा गया है। यह 26 वर्ग किलोमीटर से घटकर लगभग 6.7 वर्ग किलोमीटर रह गया है। पिछले चार दशकों के दौरान कटाव तेजी से हुआ है, वर्ष 2011 में यहां की आबादी 40,000 के आसपास थी, अब केवल 5,193 रह गई है। हमारे तटीय क्षेत्र, जहां लगभग 17 करोड़ लोग रहते हैं, बदलती जलवायु की मार में सबसे आगे हैं। यहां समुद्र जलस्तर में वृद्धि, कटाव, उष्णकटिबंधीय तूफान और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल की खाड़ी में अभी तक का सबसे शक्तिशाली तूफान 'चक्रवात अम्फान' आया, जिससे कई लाख लोगों को घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सबसे अधिक खतरनाक कटाव समुद्री किनारों का है, जो गांव के गांव उदरस्थ कर रहा है, साथ ही जलस्तर बढ़ने से महानगरों की तरफ भी डूबने की चेतावनियां सशक्त हो रही हैं। दरअसल, जलवायु परिवर्तन का कुप्रभाव हमारे यहां चरम मौसम, चक्रवातों की बढ़ती संख्या, बिजली गिरने, तेज लू और इससे जुड़े खेती में बदलाव, आवास-भोजन जैसी दिक्कतों के रूप में सामने आ रहा है। चरम मौसम से पलायन का सबसे अधिक खमियाजा महिला और बच्चों को भोगना होता है। भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह सालों में 67 लाख बच्चों को बेघर कर दिया है। ये बच्चे स्कूल छोड़ने के लिए भी मजबूर हुए हैं। यूनिसेफ तथा इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के वर्ष 2016 से 2021 तक किए गए अध्ययन से यह खुलासा हुआ है। भारत, चीन तथा फिलीपींस के 2.23 करोड़ बच्चे विस्थापित हुए हैं। इन देशों में बच्चों के बेघर होने के पीछे भौगोलिक स्थिति जैसे मानसून की बारिश, चक्रवात और मौसम की बढ़ती घटनाएं भी हैं। भारत में बाढ़ के कारण 39 लाख, तूफान के कारण 28 लाख तथा सूखे के कारण 20 हजार बच्चे विस्थापित हुए हैं। भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 45 करोड़ लोग प्रवासित हुए, जिनमें से 64 फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्र से थे।

प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कम आय वाले राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार से है। ये दोनों राज्य दक्षिण एशिया के सबसे अधिक खेती वाले गांगेय क्षेत्र से आते हैं। घर छोड़कर जाने वाले कुछ लोग तो महज थोड़े दिनों के लिए काम करने गए, लेकिन अधिकांश का पलायन स्थायी हुआ। यह आबादी मुख्य रूप से हाशिए पर रहने वालों की थी जो कृषि पर निर्भर थे। समझना होगा गांगेय क्षेत्र भारत का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां लगभग 64 करोड़ लोग गरीबी में रहते हैं। पलायन की गति तेज हो गई है और यह प्रवृत्ति भविष्य में भी जारी रहेगी। बढ़ता तापमान कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे सीमांत कृषि पर निर्भर ग्रामीण आबादी की असुरक्षा बढ़ जाती है। इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन ऐसे गरीब लोगों के लिए विकल्प की तलाश में घर-गांव छोड़ने के लिए मजबूर करता है। जब रोजगार के लिए महानगरों कि तरफ पलायन बढ़ता है तो यह पहले से ही सघन आबादी वाले इलाकों में स्वास्थ्य, साफ़ पानी, परिवहन आदि की नए तरीके की दिक्कतों को उपजाता है। दिल्ली जैसे शहर बीते कई सालों से भीषण गर्मी और लू के साक्षी रहे हैं। लू लगने और उसके बाद बरसात में मच्छरजनित रोगों से बेहद गरीब व शरणार्थी लोग बेहाल होते हैं। वैसे तो लोग बेहतर आर्थिक और सामाजिक अवसरों के लिए लंबे समय से देश के भीतर आते-जाते रहे हैं। भारत के 2017 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2011 और 2016 के बीच अंतर्राज्यीय पलायन सालाना नौ करोड़ के करीब था। जबकि 2011 की जनगणना में आंतरिक प्रवासियों की कुल संख्या 13.9 करोड़ या आबादी का लगभग 10 प्रतिशत दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन से उपजा पलायन मज़बूरी में हुआ सामाजिक विग्रह है। दुर्भाग्य है कि अभी हमारे यहां जलवायु-संबंधी खतरों के कारण अपने घरों से विस्थापितों के लिए कोई माकूल योजना नहीं है। 'पर्यावरणीय शरणार्थी', 'जलवायु शरणार्थी', 'जलवायु विस्थापित' और 'पर्यावरण विस्थापित' जैसे शब्द अभी सरकारी दस्तावेजों में आये नहीं हैं। गंभीरता से देखें तो देश की आज़ादी के सौ साल होने पर हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती और त्रासदी होगी अपनी जड़ों से उखड़कर मज़बूरी में किसी अनजान स्थान पर जीने की जद्दोजहद करने वाले कई करोड़ लोग, जिनके पास अपनी लोक, परम्परा, आस्था के कोई अतीत-निशान नहीं होंगे।

टॉर्चर सेंटर में क्यों बदल रहे हैं नशा मुक्ति केंद्र

- डॉ. रमेश ठाकुर

मध्य प्रदेश के रीवा में संचालित 'संकल्प नशा मुक्ति' नाम के एक सेंटर के भीतर से दिल दहला देनी वाली घटना ने बेलगाम नशा मुक्ति केंद्रों की हकीकत को सामने ला दिया है। वहां भर्ती नशे के आदी युवक के साथ केंद्र के कर्मचारियों ने सभी हदों को पार कर दिया। कर्मचारियों ने युवक के निजी पार्ट में गैस चूल्हा जलाने वाला लाइटर डाल दिया, जिससे युवक की आंत फट गई, हालत इतनी बिगड़ी कि अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। इलाज के एकाध दिन बाद जब उसने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो सभी के होश उड़ गए। देशभर में फैले नशा मुक्ति केंद्रों के भीतर नशेड़ियों के साथ कैसी-कैसी बर्बरताएं की जाती है, रीवा की ये ताजा घटना बानगी मात्र है। इससे भी कहीं ज्यादा यातनाएं सेंटरों में दी जाती हैं। महिलाओं के साथ कैसा सलूक होता है, उसकी कल्पना तक नहीं कर सकते। नशा मुक्ति केंद्र केंद्रीय व राज्य सरकारों के समाज कल्याण विभाग द्वारा तय नियमों से संचालित किए जाते हैं। पर हकीकत ये है कि नशा मुक्ति केंद्रों में सरकारी नियमों को खूंटियों पर टांग दिया जाता है। सेंटर वाले न तो समाज कल्याण विभाग की कोई गाइडलाइन फॉलो करते हैं और न ही सरकार की ओर से कोई निगरानी करने जाता है। शिकायतों पर थोड़ी बहुत खलबली मचती है, वरना कुछ नहीं होता। जबकि, कागजों में देखरेख की व्यवस्थाएं बहुतेरी हैं। ऐसा लगता है कि जैसे सरकारी महकमे के लोग भी नशे के आदी मरीजों को उनकी किस्मत पर ही छोड़ देते हैं। नशा मुक्ति केंद्र ज्यादातर एनजीओ की आड़ लेकर संचालित होते हैं जिनका मकसद सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाना होता है। भारत में आज नशा जिस तेजी से फैला है, उसका फायदा नशा मुक्ति केंद्र वाले ही उठा रहे हैं। कोई एक राज्य नहीं, बल्कि समूचे देश में 'नशा मुक्ति' के नाम पर संगठित धन वसूली का धंधा जोरों पर है। लोगों के लिए ये एक ऐसा व्यवसाय क्षेत्र बन गया है जिसमें आमदनी मनचाही है। क्या शहर, क्या गांव, देहात, कस्बे आदि जगहों पर नशा मुक्ति केंद्र खुले हैं। पंजाब के किसी भी शहर या गांव में जाइए, वहां शिक्षा सेंटरों से ज्यादा आपको नशा मुक्ति सेंटर दिखाई देंगे। पंजाब को ऐसे ही थोड़ी 'उड़ता पंजाब' कहा जाता है। वहां अभी हाल में एक बड़ा सफेदपोश नेता नशा तस्करी के आरोप में अंदर गया है। ये धंधा ज्यादातर समाजसेवा को बहाना बनाकर खोला जाता है। असल में 'नशा मुक्ति-पुनर्वास' की जगह 'यातना केंद्र' में ज्यादा तब्दील हो गए हैं। केंद्रों में नशेड़ियों के साथ कर्मचारी थर्ड डिग्री टॉर्चर, बिजली का शॉक्ड, भूखे रखना और बेहताशा काम करवाते हैं। सेंटर वाले प्रत्येक नशे के मरीज से नशा छुड़ाने का झूठा वादा करते हैं। इसके बदले वो उनके परिजनों से प्रति माह मोटी फीस वसूलते हैं। परिजन इस उम्मीद में अपनों को छोड़ जाते हैं कि लत छूट जाएगी। गौरतलब है कि इस गोरखधंधे की एक और काली सच्चाई है। सेंटरों में शराब छुड़ाने वाले विशेषज्ञ नहीं होते, वहां तकरीबन नौसिखियों की भरमार होती है। जबकि, बाहर लगे बोर्ड पर न्यूरो, मानसिक, ड्रग्स आदि के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों व विशेषज्ञों के होने का दावा किया जाता है। वहां, अप्रशिक्षित, अनैतिक व्यवहार करने वाले ही ज्यादातर होते हैं। कई केंद्रों पर तो ये खुद रात के अंधेरे में शराब की बोतलों में घुस कर गोता लगाते हैं, पकड़े भी गए हैं। पंजाब के मानसा जिले में अभी कुछ दिन पहले ही स्थानीय एसडीएम ने एक शिकायत पर देर रात एक नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षक किया, जहां सेंटर का संचालक कर्ता खुद नशे में धुत्त मिला। एक वक्त था जब नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में सुनने में ऐसा हुआ करता था कि इन केंद्रों में पहुंचने वाले प्रत्येक नशे के आदी नशे से मुक्ति पा जाते होंगे। पर, सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत होती है। ज्यादातर केंद्रो में नशे के शौकीनों को जेल से भी बदतर खाना परोसा जाता है। जब उन्हें भूख लगती है, खाना मांगते हैं तो सेंटर वाले मानसिक प्रताड़ना, मारपीट, गालियां देने के अलावा मुंह पर थूकना और सरेआम उनके शरीर पर पेशाब भी कर देते हैं। ऐसी ही एक घटना छत्तीसगढ़ के रायपुर से सामने आई है। जहां, पीड़िता की पत्नी ने ऐसे ही आरोप लगाकर केंद्र के संचालक पर मुकदमा दर्ज करवाया है। नशे के आदी के साथ केंद्र कर्मी जानवरों से भी बुरा व्यवहार करते हैं। जबकि, कई केंद्र आज भी ऐसे हैं जहां बाकायदा काउंसलिंग करके उपचार किया जाता है। दशक भर पहले सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के इनपुट के आधार पर करीब 372 संवेदनशील विभिन्न राज्यों के जिलों जिसमें विशेषकर पंजाब में 'नशा मुक्त भारत अभियान' का शुभारंभ किया था। लेकिन परिणाम वैसे नहीं आए, जिसकी उम्मीद थी। परंपरागत केंद्रों पर आज भी चिकित्सक परामर्श देकर रोजाना योगा करवाते हैं। जिम, खेलकूद, भजन-कीर्तन, सत्संग आदि क्रियाकलापों में व्यस्त रखते हैं। समय-समय पर चिकित्सीय जांच होती है। ऐसा उन नशा मुक्ति केंद्रों में इसलिए नहीं किया जाता क्योंकि वहां के लोग प्रशिक्षित नहीं होते। सभी सेंटर एक ही रास्ते पर चलते हैं, आपस में मिलीभगत होती है। अमूमन 3 या 5 महीने का कोर्स निर्धारित करते हैं। डॉक्टर खुद ही बने होते हैं। परिजनों के सामने मरीजों की नाड़ी पकड़ते हैं, देशी तरीके से ईसीजी जांच का नाटक करते हैं। मुंह खुलवा कर तेजी से बुलवाते हैं। दरअसल ऐसा वो इसलिए करते हैं ताकि पीड़ित के परिजन संतुष्ट हो सकें कि उनका बंदा किसी निपुण चिकित्सक के हवाले है। सेंटर वाले शुरुआत में एक स्टाम्प पेपर पर पीड़ित के परिजनों से लिखवाते हैं कि कुछ भी होने पर वो जिम्मेदार नहीं होंगे। नशा मुक्ति केंद्रों में होती मौत और बढ़ती दर्दनाक घटनाओं के बाद लोग सेंटरों से डरने लगे हैं। जून की ही घटना है, गाजियाबाद में संचालित सेंटर में प्रताड़ना के बाद हुई एक मरीज की मौत के बाद वहां के 52 मरीज खिड़की तोड़ कर भाग गए। प्रताड़ना से जब वहां मौत हो जाती है, तो सेंटर वाले घटना को संदिग्ध परिस्थितियां बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। नशा मुक्ति केंद्रों के भीतर घटती घटनाओं को ध्यान में रखकर केंद्र व राज्य सरकारों को सख्त से सख्त नियम बनाने चाहिए और समय-समय पर निगरानी हो, गाइडलाइन बने, एनजीओ से अलग सभी नशा मुक्ति केंद्र कानूनी रूप से पंजीकृत करने के प्रावधान बनाए जाएं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विचार मंथन

विदेश में करोड़ों रुपए की संपत्तियां खरीद रहे हैं भारतीय नागरिक

(लेखक - सनत जैन)

भारत के नव धनाढ्य परिवार का एक ना एक सदस्य विदेशी नागरिकता लेकर प्रवासी भारतीय बन गया है। पिछले 10 वर्षों में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई के लिए विदेश जा रहे हैं। हर धनाढ्य परिवार ने ओसतन कम से कम पांच संपत्तियां विदेश में खरीदी हैं। रियल एस्टेट कंसलटेंसी फर्म की जानकारी के अनुसार भारत में हर अति धनाडय परिवार जिसे अल्ट्रा हाई नेटवर्क इंडिविजुअल (यूएचएनआई) के के नाम की पहचान मिली है। इन परिवारों ने विदेश में कम से कम पांच बड़ी महंगी संपत्तियां खरीदी हैं। जिसमें औसत निवेश 940 करोड रुपए से ज्यादा का किया गया है। विदेश में भारत के नव धनाडय अमीरों की संपत्ति में लगभग 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारत के नव धनाढ्य विदेशों में संपत्तियों में भारी निवेश कर रहे हैं। भारत में इस समय लगभग 12000 से ज्यादा नव धनाढ्य परिवार है। जिनमें 161 से ज्यादा अरबपतियों की संख्या है। भारतीय परिवार संपत्तियों में निवेश करके विदेशी नागरिकता ले रहे हैं। भारत का धन बड़े पैमाने पर विदेशों में जा रहा है। कोरोना महामारी के बाद से विदेश में संपत्ति खरीदने और विदेश की नागरिकता लेने का क्रेज भारत के नव धनाडयों में बड़ी तेजी के साथ बढा है। 2022-23 में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शहरों में भारतीय नागरिकों ने महंगी संपत्तियां खरीदी हैं। भारत के उद्योगपति और भारत में भारी कमाई करने वाले लोग अब विदेशों में अपना पैसा निवेश कर रहे हैं। उन्हें लगता है,कि भारत में उनका कारोबार और उनकी कमाई सुरक्षित नहीं रहेगी। जिसके कारण धनी परिवार विदेश की ओर पलायन कर रहे हैं। पिछले साल दुबई में भारतीयों का निवेश 36000 करोड रुपए तक पहुंच गया है। जो अभी तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। दुबई में संपत्तियों के निवेश में भारतीय नागरिकों की 20 फ़ीसदी की हिस्सेदारी है। जो दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले में सबसे ज्यादा है। भारत के नागरिकों ने सबसे ज्यादा संपत्तियां ब्रिटेन में खरीदी हैं। इसके बाद यूएई का नंबर आता है। तीसरी पसंद अमेरिका,चौथी पसंद कनाडा और पांचवी पसंद में भारत आता है। रियल स्टेट में जितना निवेश भारत में किया जा रहा है। उतना ही निवेश सिंगापुर में भारतीयों द्वारा किया जा रहा है। पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयों का निवेश पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना बढा है। भारत के धनी मानी परिवार बड़ी संख्या में विदेशों में संपत्ति और डिपाजिट के रूप में निवेश कर रहे हैं। विदेश की नागरिकता बड़े पैमाने पर भारतीयों द्वारा ली जा रही है। भारतीय नागरिकों ने विदेशों में बड़े-बड़े कारोबार शुरू कर दिए हैं। परिवार के एक या दो सदस्यों ने विदेशी नागरिकता ले ली है। भारतीय परिवार अब विदेश में अपने बच्चों और परिवारों को सेटल करने में लगे हुए हैं। इसके पीछे कारण बताया जाता है कि भारत में रहने का माहौल नहीं रह गया है। हिंसा बढ़ गई है। कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों- दिन खराब हो रही है। भारतीय न्यायालय सरकार के खिलाफ फैसला देने से डरती है। राजनेताओं एवं नौकरशाही में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बार-बार नियम और कानून बदल दिए जाते हैं। भारत में टैक्सेशन पिछले 10 सालों में कई गुना बढ़ गया है। व्यापार और सुरक्षा की दृष्टी से माकूल माहौल भारत में नहीं रह गया है। जिसके कारण जिन लोगों के पास भी थोड़ा पैसा है। वह विदेश की तरफ रुख कर रहा है। पिछले वर्षों में पर्यटन और शिक्षा के लिए जो पर्यटक और छात्र विदेश जा रहे हैं। वह भी बड़े पैमाने पर भारतीय मुद्रा को विदेश में खर्च कर रहे हैं। जिसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने लगा है। स्टॉक मार्केट के माध्यम से विदेशी निवेशक मुनाफा कमाकर भारतीय धन विदेश ले जा रहे हैं। पर्यटन और शिक्षा के लिए भी बड़ी मात्रा मे भारतीय धन विदेश जा रहा है। विदेशों से भारत में आने वाले धन में लगातार कमी हो रही है। भारत में जिस तरह से भ्रष्टाचार बढ़ा है, जिस तरह की राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। उसको देखते हुए अब करोड़पति परिवारों में विदेश की नागरिकता लेने की होड़ मच गई है। जिन देशों में कम टैक्स है। बिजनेस करने के लिए बेहतर माहौल है। वहां भारतीय नागरिक बड़ी तेजी के साथ जाकर बस रहे हैं। भारत छोड़कर विदेशी नागरिकता लेने वालों की संख्या लाखों में हर वर्ष पहुंच गई है। भारत सरकार का ध्यान इस ओर क्यों नहीं है?इसको लेकर अर्थशास्त्री भी अब चिंतित हो उठे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में आयात और निर्यात असंतुलन भी दिनों दिन बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक में विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार कम हुआ है।

70 सप्ताह तक पहुंचा थार का वेटिंग पीरियड

नई दिल्ली । महिंद्रा थार को हर महीने 10 हजार से अधिक की बुकिंग मिल रही है। इसका वेटिंग पीरियड 70 सप्ताह तक पहुंच गया है। आरडब्ल्यूडी हार्ड-टॉप डीजल वेरिएंट पर 70 सप्ताह का वेटिंग पीरियड है। इसके पेट्रोल वेरिएंट पर बुकिंग के दिन से ही लगभग 22 सप्ताह तक का वेटिंग पीरियड चल रहा है। अगर आप इसके 4डब्ल्यूडी वेरिएंट को घर ले जाने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपको इसके लिए 24 सप्ताह तक का इंतजार करना होगा। भारत में महिंद्रा थार का क्रेज लोगों में बढ़ता ही जा रहा है। इस गाड़ी को अब तक 76 हजार बुकिंग मिल चुकी हैं।

वित्त वर्ष 24 में सरकार पूरी नहीं कर पाएगी आईडीबीआई में हिस्सेदारी!

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक में सरकार जो हिस्सेदारी बेचना चाह रही है वो इस साल चालू वित्त वर्ष 2023-24 में शायद पूरी नहीं हो पाएगी। इस बारे में डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मॉनेटाइजेशन के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने एक कार्यक्रम में कहा कि यह रणनीतिक बिक्री कार्यक्रम अपनी राह पर है, लेकिन अभी रिजर्व बैंक के उपयुक्त एवं उचित मानदंड जैसे कुछ पहलुओं को पूरा करने की जरूरत है। गौरतलब है कि पांडेय ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया जहां पर इस बिक्री को लेकर उन्होंने कहा कि हमें व्यावहारिक रूप से नहीं लगता कि मार्च 2024 से पहले हम आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री प्रक्रिया को पूरा कर पाएंगे। बता दें कि सरकार के पास आईडीबीआई बैंक की 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम के पास बैंक की 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दोनों ने बैंक में संयुक्त रूप से 60.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। बैंक के पास 11,520 करोड़ रुपये की विलंबित कर एसेट्स हैं। इसके अलावा मुंबई, पुणे और चेन्नई सहित विभिन्न शहरों में उसकी 129 संपत्तियां भी हैं। बैंक की मुंबई में 68, पुणे में 20, चेन्नई में नौ और अहमदाबाद में सात संपत्तियां हैं। इसके अलावा कोलकाता में छह और दिल्ली तथा हैदराबाद में पांच-पांच संपत्तियां हैं।

रेलवे के शेयरों में उछाल का नेतृत्व कर रहा टीटागढ़ वैगन्स

नई दिल्ली। रेलवे से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को 5-10 फीसदी की तेजी रही।टीटागढ़ वैगन्स 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 927 रुपये पर है। जबकि, रेलटेल 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 268 रुपये पर है। इसके अलावा, इरकॉन 7 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 166 रुपये पर है, जबकि राइट्स 6 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 477 रुपये और आरवीएनएल 5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 167 रुपये पर है। आईआरएफसी 4 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 76 रुपये पर है।आरबीआई द्वारा असुरक्षित ऋणों के लिए भारांक बढ़ाने के बाद वित्तीय स्थिति पर थोड़ा असर पड़ने से बीएसई सेंसेक्स 128 अंक गिरकर 65853 अंक पर है। एसबीआई 3 फीसदी से ज्यादा नीचे, एक्सिस बैंक 3 फीसदी नीचे, बजाज फाइनेंस 2 फीसदी से ज्यादा नीचे और आईसीआईसीआई बैंक 1 फीसदी नीचे है।

ओला बनी सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने वाली कंपनी

- इस ई-स्कूटर का बढ़ रहा दबदबा

नई दिल्ली । पिछले महीने ओला घरेलू बाजार में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने वाली कंपनी रही। वर्तमान ओला कंपनी देश में तीन ई-स्कूटर मॉडल ओला एस1 प्रो, ओला एस1 और ओला एस1 एयर की बिक्री कर रही है। अक्टूबर 2023 में ओला ने 22,284 यूनिट्स बेचीं, जबकि सितंबर 2023 में कंपनी ने 18,691 यूनिट्स बेची थीं। कंपनी ने महीने-दर-महीने 19.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। दूसरे स्थान पर होसुर स्थित मोटरसाइकिल निर्माता टीवीएस की आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर है। अक्टूबर 2023 में टीवीएस ने आईक्यूब की 15,603 यूनिट्स बेचीं, जबकि सितंबर 2023 में 15,584 यूनिट्स बेची गई थीं। आईक्यूब की बिक्री में 0.1 प्रतिशत की मामूली महीने दर-महीने की वृद्धि दर्ज की गई है। चेतक सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर की लिस्ट में तीसरे पायदान पर है। यह बजाज की एकमात्र फुल-इलेक्ट्रिक पेशकश है। बजाज ने अक्टूबर 2023 में चेतक की 8,430 यूनिट्स बेचीं, जिसमें 18.7 प्रतिशत की महीने-दर-महीने की वृद्धि दर्ज की गई। इसकी तुलना में, बजाज ने सितंबर 2023 में चेतक की 7,097 यूनिट्स बेचीं थीं।सबसे सफल ईवी स्टार्टअप्स में से एक, एथर टॉप 5 कंपनियों की सूची में चौथे स्थान पर है। एथर ने पिछले महीने 8,027 यूनिट्स इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचीं हैं। एथर भारतीय बाजार में 450एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री कर रही है। बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप ने सितंबर 2023 में 7,151 यूनिट्स बेचकर 12.2 प्रतिशत की महीने-दर-महीने की वृद्धि दर्ज की है। अक्टूबर 2023 में सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटरों की सूची में ग्रीव्स इलेक्ट्रिक भी शामिल है। कंपनी ने पिछले महीने 4,019 इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री की है। इसकी तुलना में, कंपनी ने इस साल सितंबर में 3,612 यूनिट्स बेचीं थीं। कंपनी ने अक्टूबर की बिक्री में 11.2 प्रतिशत की महीने-दर-महीने की वृद्धि दर्ज कराई है। बता दें कि इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार महीने-दर-महीने बढ़ता जा रहा है। अक्टूबर 2023 में कुल 71,604 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे गए हैं।

91 प्रतिशत भारतीय जेन जेड कर्मचारी कार्यस्थल पर एआई अपनाने को तैयार

नई दिल्ली। भारत में जेन जेड कार्यस्थल में कर्मचारी जेनरेटिव एआई का उपयोग करने के लिए उत्साहित है। 91 प्रतिशत ने कहा कि वे अपने नियोक्ता के लिए रोजमर्रा के काम में प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एडोब के फ्यूचर वर्कफोर्स स्टडी फॉर इंडिया के अनुसार, जहां 81 प्रतिशत जेन जेड कर्मचारियों ने अपने काम को बढ़ाने के लिए जेनरेटिव एआई का लाभ उठाया है, वहीं 45 प्रतिशत अपनी नौकरी से संबंधित कठिन कौशल के लिए प्रशिक्षण चाहते हैं, जबकि 40 प्रतिशत सॉफ्ट स्किल के लिए प्रशिक्षण चाहते हैं। एडोब इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रतिभा महापात्र ने कहा, जेन ज़ेड कर्मचारी अब तक की सबसे तकनीक-प्रेमी पीढ़ी हैं, और वे जेनरेटिव एआई जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, संगठनों को इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के बीच संतुलन बनाना चाहिए जो उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप हो। जेन जेड काम पर अपने दृष्टिकोण देने के लिए उत्सुक है। अधिकांश उत्तरदाताओं (96 प्रतिशत) का कहना है कि वे अपने साथियों और सहकर्मियों को प्रतिक्रिया देने में सहज हैं। देश में जेन जेड श्रमिकों का भारी बहुमत (93 प्रतिशत) न केवल प्रभाव में, बल्कि कॉर्पोरेट सीढ़ी से सी-सूट तक बढ़ने के लिए उत्सुक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 87 प्रतिशत का कहना है कि वे अपनी कंपनी में करियर विकास के अवसरों के बारे में अच्छा महसूस करते हैं, जबकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पदोन्नति के लिए कोई स्पष्ट रास्ता नहीं होने को नौकरी छोड़ने के शीर्ष कारणों में से एक माना है।जेन जेड भी करियर मार्गदर्शन के लिए उत्सुक है। 91 प्रतिशत का कहना है कि उनका मानना है कि कार्यस्थल सलाहकार उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण है।

आरबीआई द्वारा असुरक्षित ऋणों पर भार बढ़ाने के बाद निफ्टी बैंक सूचकांक में आई गिरावट

नई दिल्ली। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक ने बाजार में निराशावाद को बढ़ावा दिया, जिसमें क्रमशः 2.39 फीसदी और 1.31 फीसदी की गिरावट आई। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के अनुसंधान विश्लेषक वैभव विदवानी का कहना है कि क्रेडिट कार्ड और असुरक्षित ऋणों पर अधिक जोखिम भार डालने के आरबीआई के फैसले से बैंकों/एनबीएफसी की पूंजी आवश्यकताएं तुरंत बढ़ जाएंगी, जिससे पूंजी लागत बढ़ जाएगी। बैंक आसानी से उधारकर्ताओं पर उच्च लागत डाल सकते हैं क्योंकि कुछ श्रेणियों में ऋण की मजबूत मांग है, जैसे कि असुरक्षित खुदरा ऋण। जिसके चलते, उधारकर्ताओं की ऋण लागत थोड़ी बढ़ जाएगी। वित्तीय संस्थान के मुनाफे पर प्रभाव नगण्य होगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एसबीआई को सबसे अधिक नुकसान हुआ है, क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में खुदरा जोखिम (बुक का 14 प्रतिशत) है, जबकि अधिकांश एनबीएफसी शुक्रवार को गिरावट में थे। निफ्टी पर एसबीआई, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, बीपीसीएल और बजाज फाइनेंस घाटे में थे, जबकि एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स, लार्सन एंड टुब्रो और हीरो मोटोकॉर्प लाभ में रहे।

पिछले सत्र में उच्च स्तर से कमजोरी दिखाने के बाद, निफ्टी शुक्रवार को कमजोर पूर्वाग्रह के साथ एक सीमाबद्ध आंदोलन में स्थानांतरित हो गया और दिन में 33 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। नकारात्मक रुख के साथ खुलने के बाद बाजार ने सत्र के शुरुआती दौर में तेजी से रिकवरी का प्रयास किया। बाद में यह अधिकांश भाग के लिए सीमाबद्ध गति में स्थानांतरित हो गया और अंत की ओर फिर से फिसल गया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि असुरक्षित ऋणों के लिए जोखिम भार बढ़ने की आरबीआई की कार्रवाई से बैंकिंग शेयरों में गिरावट आई और व्यापक सूचकांकों के पुनरुत्थान में अस्थायी व्यवधान पैदा हुआ।

आरबीआई ने पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड के लिए जोखिम बढ़ाकर 125 फीसदी किया

- जोखिम भार बढ़ाने के कारण ऋण पोर्टफोलियो पर असर पड़ने की संभावना

नई दिल्ली । पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे असुरक्षित कर्ज में बढ़ोतरी पर बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को चेतावनी के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐसे ऋणों के लिए जोखिम भार 100 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। जोखिम भार बढ़ने का मतलब है कि बैंकों को ऐसे कर्ज देते समय ज्यादा पूंजी अलग रखनी होगी जिसके परिणामस्वरूप ऋणदाता ऐसे कर्ज पर ब्याज दरों में इजाफा कर सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि वाणिज्यिक बैंकों के उपभोक्ता ऋणों को देखते हुए जोखिम भार 25 फीसदी बढ़ाकर 125 फीसदी करने का निर्णय लिया गया है। इसमें पर्सनल लोन भी शामिल है लेकिन आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण और सोना तथा स्वर्ण आभूषण के बदले दिया जाने वाला सुरक्षित ऋण इसके दायरे में नहीं आएगा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार बैंकों की कुल उधारी में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ है, जिसमें क्रेडिट कार्ड ऋण वृद्धि करीब 30 फीसदी और पर्सनल लोन में 25 फीसदी उधारी बढ़ी है। जोखिम भार बढ़ाने के कारण ऋण पोर्टफोलियो पर असर पड़ने की संभावना है। सितंबर अंत तक बैंक का कुल रिटेल पोर्टफोलियो करीब 48.26 लाख करोड़ रुपये का था।अधिकारी और वरिष्ठ निदेशक कृष्णन सीतारमन ने कहा कि ऋण पोर्टफोलियो पर बैंक के रिटेल बुक के 30 फीसदी से अधिक असर नहीं पड़ना चाहिए, जो मुख्य रूप से असुरक्षित ऋण हैं। जोखिम भार 25 फीसदी बढ़ाया गया है, ऐसे में बैंकों की पूंजी पर्याप्तता अनुपात पर मामूली असर पड़ेगा। वर्तमान में बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी है और वे इस असर को वहन करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इसका संदेश सतर्क रहने का है। कोई भी खंड जो तेजी से बढ़ रहा है, उससे संबंधित खंड की संपत्ति की गुणवत्ता में चुनौतियां आने की आशंका रहती है।

टोयोटा ग्लांझा की डिलेवरी में हो रही देरी

नई दिल्ली। टोयोटा ग्लांझा खरीदने इस डिलीवरी में देरी हो रही है। इसकी वजह गाड़ी पर एक महीने का वेटिंग पीरियड चलना है। यह वेटिंग पीरियड टोयोटा ग्लांझा के मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों वर्जन पर लागू है। यह गाड़ी 4 वेरिएंट- ई, एस, जी, और वी में आती है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। इस गाड़ी की शुरुआती कीमत 6.81 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। टोयोटा ग्लांझा में 1.2-लीटर, नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 89बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इस इंजन को सीएनजी किट के साथ जोड़ने पर यह 76बीएचपी की पावर और 98.5 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है।

हिमाचल में क्षमता का विस्तार करेगा स्टीलबर्ड,

ब्लूटूथ हेलमेट करेगा लॉन्च

चेन्नई। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि 60 साल पुराने स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया लिमिटेड ने काम प्रगति पर है। इसमें 105 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिदिन 50,000 हेलमेट की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, तमिलनाडु में एक नए संयंत्र की खोज करना, अपनी खुदरा पहुंच का विस्तार करना, ब्लूटूथ वेरिएंट सहित प्रीमियम हेलमेट की एक रेंज लॉन्च करना शामिल है। प्रबंध निदेशक राजीव कपूर ने आईएएनएस को बताया, हम उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अपने हिमाचल प्रदेश संयंत्र में 105 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। अगले साल तक हम मौजूदा 30,000 हेलमेट से प्रतिदिन 50,000 हेलमेट बनाएंगे। कपूर के मुताबिक, कंपनी दो चरणों में तमिलनाडु के होसुर में एक ग्रीनफील्ड प्लांट स्थापित करने की संभावना भी तलाश रही है। पहले चरण में 100 करोड़ और दूसरे चरण में 150 करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी प्रस्तावित 30,000 हेलमेट प्रतिदिन संयंत्र के लिए होसुर में जमीन तलाश रही है। वर्ष 2024 550 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले स्टीलबर्ड के लिए एक व्यस्त वर्ष होगा, क्योंकि यह लगभग 10 नए हेलमेट लॉन्च करेगा, जिनमें स्केटर्स के लिए कार्बन फाइबर से बने, ब्लिट्-इन ब्लूटूथ के साथ, 15,000-20,000 रुपये की लागत वाले हाई एंड वेरिएंट और अन्य शामिल हैं। उनके अनुसार, भारत में संगठित हेलमेट बाजार का आकार लगभग 2,000 करोड़ रुपये होगा। मात्रा के संदर्भ में, भारतीय हेलमेट बाजार प्रति वर्ष लगभग 80 मिलियन यूनिट का होगा, जिसमें संगठित और असंगठित की हिस्सेदारी समान रूप से होगी। कपूर ने कहा, किसी दुर्घटना में जान बचाने में गुणवत्ता वाले हेलमेट के महत्व के बारे में अधिक जागरूकता के साथ, लोग अब ब्रांडेड हेलमेट की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं के दोपहिया वाहन चलाने के साथ, खुले चेहरे वाले हेलमेट की बिक्री बढ़ गई है और बिक्री का हिस्सा 40 प्रतिशत है, जबकि पूरे चेहरे वाले हेलमेट की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है, जिसे बड़े पैमाने पर पुरुषों द्वारा खरीदा जाता है।

कपूर ने कहा, पूरा चेहरा: खुले चेहरे वाले हेलमेट की प्राथमिकता भी बाजार-दर-बाजार अलग-अलग होती है।

खनऊ-पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा, नोएडा में सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और बढ़त दोनों नजर आ रही है। शुक्रवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.18 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 77.42 डॉलर प्रति बैरल पर लुढ़क गया है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। जिन कुछ राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में कीमतों में उतार-चढ़ाव दिख रहा है, उनमें गोवा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब व तेलंगाना शामिल हैं। यहां ईंधन के दाम में बेहद मामूली बदलाव ही नजर आ रहा है। चारों महानगरों में से कहीं भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में

पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपये और डीजल 89.52 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.80 रुपये और डीजल 89.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

विश्व में पहली बार आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर मिलेगी अनोखी वन-टैप टिकट बुकिंग

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेनों में यात्रा को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए एनसीआरटीसी ने 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल ऐप के माध्यम से 'वन-टैप टिकटिंग' की सुविधा शुरू की है, जो अपने तरीके की विश्व की पहली ऐसी सुविधा है। यह अपने आप में एक ऐसा अनोखा फीचर है, जो यात्रियों को आरआरटीएस स्टेशन परिसर के 300 मीटर के दायरे में कहीं से भी, केवल एक टैप से, आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर यात्रा के लिए क्यूआर कोड जनरेट करने की आज़ादी देगा। इस फीचर की मदद से यात्री को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड जनरेट करने के लिए न ही तो ऐप में गंतव्य स्थान लिखने और न ही यात्रा के लिए एडवांस टिकट बुक करने की ज़रूरत है।

सिर्फ ऐप में वन टैप बुकिंग पर क्लिक करते ही यात्रा के लिए क्यूआर टिकट जेनरेट हो जाएगा। वर्तमान समय में लोगों के पास समय की कमी है और लोग इतने व्यस्त हैं कि उनका शेड्यूल कभी-कभी उन्हें पहले से यात्रा की योजना बनाने की अनुमति नहीं देता है।

ऐसी परिस्थिति में निर्बाध और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के एनसीआरटीसी के प्रयासों के अनुरूप, यह पहल यात्रियों को सहजता से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी और यात्रा के दौरान बिना किसी दुविधा के यात्री अपना गंतव्य स्थान भी बदल सकेंगे। यह इनोवेटिव वन-टैप बुकिंग सुविधा यात्रियों के लिए टिकटिंग प्रक्रिया को तेज और सुविधाजनक बनाती है। इससे टिकट खरीदने की प्रक्रिया में डिजिटल क्यूआर कोड जेनरेट करने के लिए ऐप में न ही प्रस्थान स्टेशन और न ही गंतव्य स्टेशन का चयन करने की आवश्यकता होगी। आम तौर पर ऐसे किसी भी ऐप को यात्रा की शुरुआत में प्रस्थान और गंतव्य चयन की आवश्यकता होती है, जिससे यात्रा के दौरान गंतव्य स्थान नहीं बदला जा सकता। इस नए ज़माने की सुविधा का लाभ उठाने के लिए, यात्रियों को 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा और इसका लाभ उठाने के लिए कुछ सरल शर्तें सुनिश्चित करनी होंगी। यात्रियों को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए अपने ई-वॉलेट को मोबाइल एप्लिकेशन से लिंक करना होगा और ई-वॉलेट में न्यूनतम राशि रखनी अनिवार्य होगी, जो केवल 100 रुपए होगी।

एप्पल ने अपनी बेहद जरूरी सर्विस को एक साल के लिए बढ़ाया, यूजर्स हुए खुश

सैन फ्रांसिस्को । प्रीमियम स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने अपने आईफोन 14 के यूजर्स के लिए एक विशेष सर्विस को एक साल के लिए बढ़ा (एक्सटेंड कर) दिया है। एप्पल के फोन में इमरजेंसी एसओएस एक महत्वपूर्ण सर्विस मिलती है। कंपनी ने पिछले साल नवबंर 2022 में आईफोन 14 के यूजर्स के लिए यह सर्विस लांच की थी। नए ऐलान के बाद यह सेवा अब नवबंर 2024 तक जारी रहेगी। बता दें कि सर्विस तब काम आती है, जब यूजर किसी मुसीबत में हो और किसी से संपर्क करने के लिए न तब नेटवर्क उपलब्ध हो और न ही वाई-फाई सुविधा उपलब्ध हो। इस सेवा का इस्तेमाल करके बहुत से लोगों ने अपने करीबियों को जानकारी भेजकर मुसीबत के समय में अपनी जान बचाई है। इसी वजह से एप्पल की यह सर्विस काफी चर्चा में भी रहती है। एप्पल ने आईफोन 14 के यूजर्स को बिना किसी शुल्क एक और साल के लिए यह सर्विस देकर खुश कर दिया है।

आईफोन बनाने वाली कंपनी ने इसकी पुष्टि की है। कंपनी ने कहा है कि वह आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए सैटेलाइट फीचर के माध्यम से इमरजेंसी एसओएस के दो साल के निःशुल्क परीक्षण को एक और साल के लिए बढ़ा रही है। एप्पल के वर्ल्डवाइड आईफोन प्रोडक्ट मार्केटिंग के उपाध्यक्ष कैयन डांस ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि आईफोन 14 और आईफोन 15 के यूजर 2 वर्षों के लिए इस स्पेशल सर्विस का मुफ्त में लाभ उठा सकते हैं। फिलहाल सैटेलाइट के माध्यम से आपातकालीन एसओएस ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, स्पेन, स्विट्जरलैंड, यूके और यूएस में उपलब्ध है। यह सुविधा भारत में कब आएगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।

सैटेलाइट कनेक्टिविटी क्षमता के आधार पर, ग्रिड से बाहर यात्रा करने वाले आईफोन 14 उपयोगकर्ता, जो किसी ऐसी जगह पर हैं जहां सेलुलर या वायरलेस कनेक्टिविटी नहीं है, फाइंड माई एप का भी उपयोग कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके सैटेलाइट के माध्यम से दोस्तों और परिवार के साथ अपने स्थान के बारे में जानकारी दे सकते हैं। एप्पल ने अमेरिका में सैटेलाइट फीचर के माध्यम से रोडसाइड असिस्टेंस की भी शुरुआत की थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया विश्व कप फाइनल से पहले अहमदाबाद होटल का किराया बढ़कर 1 लाख रुपये हो गया

अहमदाबाद । आईसीसी वनडे विश्व कप फाइनल की उलटी गिनती चरम पर पहुंच गई है, खासकर उन क्रिकेट प्रेमियों के लिए, जो 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रैंड फिनाले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का मुकाबला देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, प्रशंसकों को इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने के अपने प्रयासों में अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बुनियादी आवास अब 10,000 रुपये प्रति रात की भारी कीमत पर आते हैं, जबकि लक्जरी होटल शहर में एक रात ठहरने के लिए करीब 1 लाख रुपये चार्ज कर रहे हैं। उड़ान की कीमतें भी बढ़ गई हैं, जिससे अहमदाबाद के लिए राउंड-ट्रिप टिकटों में 200-300 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। फाइनल की पूर्व संध्या पर दिल्ली से उड़ान की कीमत अब 15,000 रुपये है।आवास और टिकट सुरक्षित करना एक कठिन चुनौती बन गया है। विश्‍व कप कार्यक्रम की घोषणा के बाद प्रशंसकों को उड़ान की लागत में वृद्धि और अत्यधिक होटल टैरिफ का सामना करना पड़ा। जैसे ही भारत ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया, स्थिति और खराब हो गई, अहमदाबाद में होटल की कीमतें आसमान छूने लगीं यह पहली बार नहीं है, जब क्रिकेट ने शहर में इस तरह की हलचल पैदा की है।ऐसा ही परिदृश्य 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के लिए सामने आया था, जब होटल टैरिफ नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया था।

बचने रहना कंगारुओं से रोहित ब्रिगेड पलटवार करने में माहिर

मुंबई ।

टीम इंडिया ने आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में जगह बना ली है। 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में भारत का मुकाबला 5 बार की चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया से होना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी मुकाबला नहीं हारा हैं, और लगातार 10 मैच जीते हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती 2 मैच जरूर हारे, लेकिन इसके बाद टीम ने लगातार 8 मैच जीतकर खिताबी दौर में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे अधिक 5 बार तब टीम इंडिया ने 2 बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। रोहित ब्रिगेड को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से सावधान रहना होगा। कंगारू टीम ने 8वीं बार फाइनल में जगह बनाई है। इसके पहले हुए 7 में से 5 फाइनल उसने जीते हैं। 3 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका यानी एशिया कप 3 बड़ी टीमों को शिकस्त दी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार वर्ल्ड कप का खिताब 1987 में जीता। तब टूर्नामेंट का फाइनल कोलकाता के ईडन गार्डंस में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया ने नजदीकी फाइनल में इंग्लैंड को 7 रन से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया को 2 बार फाइनल में हार मिली। पहली बार 1975 में वेस्टइंडीज ने लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराया था। इसके बाद लाहौर में 1996 में खेले गए फाइनल में श्रीलंका ने कंगारू टीम को 7 विकेट से शिकस्त दी थी। वर्ल्ड कप 2023 के पहले मुकाबले में टीम इंडिया की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से ही हुई थी। यह मुकाबला भारत ने 6 विकेट से जीता था। इस मैंच में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले खेलते हुए सिर्फ 199 रन ही बना सकी थी। रवींद्र जडेजा ने 3 तब कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को 2-2

विकेट मिले थे। जवाब में टीम इंडिया के 3 विकेट सिर्फ 2 रन पर गिर गए थे। इसके बाद विराट कोहली ने 85 और केएल राहुल ने नाबाद 97 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया 20 साल बाद वर्ल्ड कप के फाइनल में भिड़ने जा रहे हैं। 2003 में रिकी पोंटिंग की अगुआई वाली कंगारू टीम ने सौरव गांगुली की कप्तानी वाली भारतीय टीम को मात दी थी। इसके बाद रोहित शर्मा उस हार का भी बदला लेना चाहते हैं। 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। इससे पहले 2011 के वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने क्वार्टर फाइनल ऑस्ट्रेलिया को मात दी थी। कुल मिलाकर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रोमांचक फाइनल देखने को मिल सकता है।

वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने आ सकते है, पीएम मोदी, ऑस्ट्रेलियाई पीएम को भी न्यौता

मैच से पहले वायुसेना का एयरशो

गांधीनगर।

19 नवंबर को अहमदाबाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी वर्ल्ड कप का फाइनल महा मुकाबला होने जा रहा है। वर्ल्ड कप के इस फाइनल मैच को देखने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाएंगे। सूत्रों ने कंफर्म किया है कि पीएम मोदी 19 नवंबर को अहमदाबाद जाएंगे, जहां वह नरेंद्र मोदी स्टेडिमय में बैठकर भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मुकाबला देखने वाले हैं। सूत्रों ने बताया है कि इस फाइनल मुकाबले को देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री भी आ सकते हैं। हालांकि, अभी तक ऑस्ट्रेलियाई पीएम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा हैं कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड कप मुकाबला देखने के लिए भारत सरकार की ओर से ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को न्यौता भेजा गया है। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम को भी न्यौता भेजा गया है और माना जा रहा है कि ये दोनों मैच देखने अहमदाबाद आएंगे। साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इस दौरान स्टेडियम में मौजूद रहने वाले हैं। फिलहाल, ऑस्ट्रेलियाई पीएम के आने को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। बता दें कि पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम के अलावा, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और कपिल देव भी मैच देखने आ सकते हैं। वर्ल्ड कप के फाइनल मैच को यादगार और खास बनाने के लिए एयर शो का भी इंतजाम किया गया है। मैच शुरू होने से ठीक पहले भारतीय वायुसेना अहमदाबाद के आसमान में लड़ाकू विमानों से करतब दिखाएगी और क्रिकेट फैन्स का मनोरंजन करेगी।

विश्‍व कप क्वालीफायर में चीन ने थाईलैंड को 2-1 से हराया

बैंकॉक।

चीन ने गुरुवार को यहां 2026 विश्व कप क्वालीफायर राउंड 2 में थाईलैंड को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख डिफेंडर जियांग गुआंगताई के बिना चीनी मुख्य कोच अलेक्जेंडर जानकोविच ने बैक-लाइन पर झू चेनजी और जियांग शेंगलोंग को चुना। जबकि, वू लेई ने मिडफील्ड में वू शी के साथ ट्राइडेंट अपफ्रंट का नेतृत्व किया। 5वें मिनट में सुफानत मुएंता की स्ट्राइक चीन के गोलकीपर यान जुनलिंग को चकमा नहीं दे पाई जबकि दूसरे छोर पर जियांग का प्रयास पोस्ट के बाहर था। मेजबान ने 23वें मिनट में जवाबी हमले के माध्यम से गतिरोध को तोड़ दिया। कुछ ही मिनट बाद चीन जल्द ही बराबरी पर आ गया। ब्रेक के कुछ मिनट बाद साराच के ट्विस्टिंग हेडर को यान ने रोक दिया, और चीन ने 74वें मिनट में दो स्थानापन्न खिलाड़ियों के संयोजन के साथ टर्नअराउंड पूरा किया, क्योंकि झी पेंगफेई का लॉबिंग पास अचिह्नित वांग शांगयुआन को मिला, जिसने बिना किसी बाधा के डाइविंग हेडर के साथ गोल कर दिया। घरेलू हार से बचने की बेताब कोशिश में थाईलैंड ने अंतिम मिनटों में हमले किये, लेकिन फिर भी वापसी करने में असमर्थ था। इससे पहले गुरुवार को हुए मैच में दक्षिण कोरिया ने सिंगापुर को 5-0 से हराया था। चीन 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया की मेजबानी करेगा।

रोचक रहा टीम इंडिया का वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर

मुंबई ।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने तक का सफर भी काफी रोचक रहा है। जहां विराट कोहली ने वनडे में शतकों का अर्धशतक पूरा करके सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, वहीं मोहम्मद शमी ने सात विकेट लेकर गेंदबाजी में फिर से कमाल दिखाया, जिससे भारत ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर सेमीफाइनल में हारने के मिथक को तोड़कर चौथी बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई। वहीं मजबूत बल्लेबाजी इकाई और दमदार गेंदबाजी आक्रमण के साथ भारत ने लगातार 10 मैच जीतकर 12 साल के बाद वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा। वर्ल्ड कप फाइनल तक भारत के सफर की बात करें तो पहले मैच में भारत ने चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराया। जबे कि दूसरे मैच में भारत ने दिल्ली में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। इसी तरह तीसरे मैच में भारत ने अहमदाबाद में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। चौथा मैच भारत ने पुणे में बांग्लादेश को सात विकेट से हराया। पांचवां मैच भारत ने धर्मशाला में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। छठा मैच भारत

ने लखनऊ में इंग्लैंड को 100 रनों से हराया। जबे कि सातवां मैच भारत ने मुंबई में श्रीलंका को 302 रनों से हराया। आठवां मैच भारत ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका को 243 रनों से हराया। जबे कि नौवां मैच भारत ने बेंगलुरु में नीदरलैंड को 160 रन से हराया था। इसके बाद बुधवार को हुए सेमीफाइनल में भारत ने मुंबई में न्यूजीलैंड को 70 रनों से हरा दिया।

संक्षिप्त समाचार

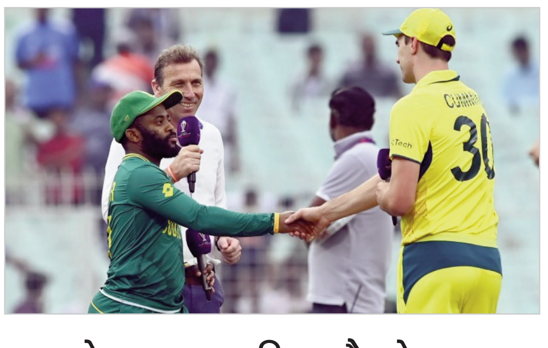

हार को पचा पाना मुश्किल है : तेम्बा बावुमा

कोलकाता। तमाम प्रयासों के बावजूद साउथ अफ़्रीका सेमीफ़ाइनल के तिलिस्म को तोड़ नहीं पाई और उसे गुरूवार को ऑस्ट्रेलिया से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। विश्व कप से बाहर होने पर निराश दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने मैच के बाद कहा,इस हार को शब्दों में बता पाना बहुत कठिन है। हमने बल्ले और गेंद से जिस तरह की शुरुआत की वही टर्निंग प्वाइंट रहा, हम वहां बुरी तरह हारे। परिस्थितियों और बेहतरीन आक्रमण ने हमारा टॉप ऑर्डर बिखेर दिया। उन्होंने हमें पूरी तरह दबाव में डाला। क्लासेन के आउट होने से पहले हम मोमेंटम हासिल कर रहे थे और सभी को पता है कि आखिरी के ओवरों में वह कितने खतरनाक हो सकते हैं। बावुमा ने शतकधारी डेविड मिलर की तारीफ़ करते हुए कहा कि उन्होंने दिखाया कि एक खिलाड़ी के रूप में वह क्या कर सकते हैं। मिलर ने 101 रन बनाये लेकिन दक्षिण अफ्रीका 212 रन पर सिमट गया। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 215 रन बनाकर फ़ाइनल का टिकट हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया को फ़ाइनल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा,ऑस्ट्रेलिया को फाइनल के लिए शुभकामनाएं। मैच में अधिकतर समय उनका खेल शानदार रहा और वे जीत के हकदार थे।

विश्व कप योग्यता के साथ 7 दिसंबर से शुरू होगा हॉकी प्रो लीग का पांचवां सीजन

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। एफआईएच हॉकी प्रो लीग का पांचवां सीजन बस एक महीने दूर है। जब दुनिया की 18 सर्वश्रेष्ठ टीमें (9 पुरुष और 9 महिलाएं) 144 मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसका लक्ष्य प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना है। टूर्नामेंट 7 दिसंबर 2023 को शुरू होगा और फाइनल मैच 30 जून 2024 को खेला जाएगा। एफआईएच के अनुसार, पहली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग का खिताब जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों को बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में सीधा स्थान हासिल करने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। प्रो लीग खेलों के लॉजिस्टिक प्रारूप में मिनी-टूर्नामेंट की शुरुआत के साथ सीजन 4 में विकास देखा गया और सीजन 5 में भी इसे जारी रखा जाएगा। प्रत्येक टीम सीज़न में दो बार अन्य 8 टीमों का सामना करेगी और प्रत्येक टीम द्वारा कुल 16 मैच खेले जाएंगे। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पूरे सीज़न को कई मिनी-टूर्नामेंटों में विभाजित किया गया है, जहां 3 का एक सेट एक मेजबान देश में इकट्ठा होगा और एक-दूसरे के खिलाफ अपने सभी मैच खेलेंगे। प्रति मिनी-टूर्नामेंट में 6 मैच होंगे। सीजन 5 के माध्यम से अर्जेंटीना, भारत, बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन और नीदरलैंड में कई मिनी टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

पहले गेंदबाजी करने के मामले में हम अब ब्लूप्रिंट जानते हैं : हेज़लवुड

कोलकाता,

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि उनकी टीम को अब इस बात का खाका मिल गया है कि रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने के लिए गेंदबाजी लाइन-अप को कैसा प्रदर्शन करना होगा.हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क ने अपनी टेस्ट-मैच जैसी लाइन और लेंथ से दक्षिण अफ्रीका को तेजी से 24/4 पर पहुंचा दिया, जिससे गुरुवार को ईडन गार्डन्स में सेमीफाइनल में तीन विकेट से तनावपूर्ण जीत का आधार तैयार हुआ. पांच बार के चैंपियन ने रविवार को होने वाले अपने आठवें पुरुष एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया है, जो दक्षिण अफ्रीका में भारत के खिलाफ 2003 विश्व कप फाइनल की पुनरावृति भी है. यह बहुत बड़ा है, और मैच जितना बड़ा है उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है. हमने इसके बारे में बात की, जब हम दूसरी गेंदबाजी करते हैं तो हम गेंद के साथ वास्तव में अच्छी शुरुआत करते हैं, शायद पहले गेंदबाजी करने की तुलना में अधिक. इसलिए, उस पर आज रात बड़ा जोर दिया गया था. हेज़लवुड ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा, हमने एक बैठक में (बुधवार) के बारे में बात की और आज रात दबाव से बाहर निकल गए, जो बहुत सुखद था. इसलिए, हम अब ब्लूप्रिंट जानते हैं कि क्या हम पहले गेंदबाजी कर रहे हैं, और उम्मीद है कि रविवार को फिर से गेंदबाजी करेंगे. ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में 8 अक्टूबर को एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत से मुकाबला किया था, जहां पहले दो ओवरों में मेजबान टीम का स्कोर 2/3 करने के बावजूद वे छह विकेट से हार गए थे. केएल राहुल के नाबाद 97 रन और विराट कोहली के 85 रन के बीच 165 रन की साझेदारी ने भारत को 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दस मैचों की जीत की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया. हेज़लवुड ने कहा, मुझे लगता है कि वे वास्तव में बोर्ड भर में हैं. उनके पास अच्छे तेज गेंदबाज, अच्छे स्पिनर, अच्छे बल्लेबाज हैं इसलिए वे हर मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. मुझे लगता है कि जब हमने चेन्नई में एक छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए उनके खिलाफ खेला था तो हमने कुछ दरारें देखी थीं. हम काफी भाग्यशाली थे कि हमें कुछ जल्दी मिल गए. लेकिन जैसा कि हमने देखा है, इसमें कोई वास्तविक कमजोरी नहीं है.

भारत, ऑस्ट्रेलिया बड़े अवसरों के लिए अजनबी नहीं : स्टार्क

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप-2023 का फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत टीम इंडिया से होगी। यह पहला मौका नहीं होगा जब ये दोनों टीमें एक हाई प्रेशर मैच के लिए मैदान में उतरेगी, क्योंकि 2003 में एक दूसरे के खिलाफ फाइनल मुकाबले खेलने के अलावा यह टीमें पहले कई बार फाइनल मुकाबला खेल चुकी है। पिछले दो वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने फाइनल में पहुंचने के बाद कहा कि उनका चल रहे टूर्नामेंट में प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा लेकिन उनके जोड़ीदार जोश हेज़लवुड और उनके अन्य साथियों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे टीम को संतुलन मिला। दक्षिण अफ्रीका को दूसरे सेमीफाइनल के रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जहां उनका सामना भारत से होगा। खिताबी मुकाबले के बारे मे बात करते हुए स्टार्क ने क्रिकबज से कहा, भारत चल रहे वर्ल्ड कप की सर्वश्रेष्ठ टीम है और अब तक वो टूर्नामेंट में अजेय हैं। इसलिए, कोई टीम विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम को हराए बिना विश्व कप नहीं जीत सकती। साथ ही ऐसे खिताबी मुकाबले के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया अजनबी नहीं हैं क्योंकि वो ऐसे हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले भी कई बार परिचित हुई हैं। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। मदद कर रही परिस्थितियों के बीच नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाज़ी और ओपनर्स द्वारा की गई बल्लेबाज़ी ने रोमांचक सेमीफ़ाइनल में अंतर पैदा किया। मिचेल स्टार्क ने 34 रन देकर तीन विकेट लेते हुए अपना स्पेल पूरा किया और जब विजयी रन बने तब भी वह मैदान पर मौजूद थे। भले ही स्टार्क के लिए गेंदबाज़ के तौर पर टूर्नामेंट मुश्किल रहा है, लेकिन दक्षिण अफ़्रीका को उन्होंने जोश हेजलवुड के साथ मिलकर पहले 12 ओवर में ही 24/4 के स्कोर पर पहुंचा दिया था। दोनों ने मिलकर मैच में पांच विकेट चटकाए। भले ही मैच में कई सारे रोमांचक पल आए, लेकिन इन दोनों की गेंदबाज़ी अंत में सबसे बड़ा अंतर बनी। स्टार्क ने कहा, मुझे लगता है कि पावरप्ले ने ही हमें लाभ दिया। मैच में कई सारे अहम लम्हें रहे, लेकिन जोश के साथ इस तरह मैच की शुरुआत करना शानदार था।

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की उरुग्वे से 0-2 से सनसनीखेज हार

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना बोम्बोनेरा स्टेडियम में फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में उरुग्वे से 0-2 से हार गई, उरुग्वे की जीत का श्रेय रोनाल्ड अराउजो और डार्विन नुनेज़ के प्रत्येक हाफ में गोल को जाता है। उरुग्वे शुरू से अंत तक बेहतर था और जीत के साथ, 10 अंकों के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया, अर्जेंटीना से दो अंक पीछे, जिन्होंने पहले चार गेम जीतने के बाद अपना पहला अंक खो दिया है। उरुग्वे विश्व कप चैंपियन के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक था। डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी की गलती के बाद 10वें मिनट में डार्विन नुनेज़ ने एक क्रॉस शॉट के साथ स्कोरिंग की शुरुआत लगभग कर दी। पिछले साल कतर में विश्व कप के दौरान सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप-स्टेज ओपनर के बाद से अर्जेंटीना ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं हारा है। फीफा विश्व कप 2022 फाइनल जीतने के बाद यह पहली बार था जब अर्जेंटीना ने कोई गोल खाया।नुनेज़ ने 87वें मिनट में काउंटर पर गोल किया जब उरुग्वे की रक्षापंक्ति ने मेसी को अपने बॉक्स के किनारे पर रोक दिया। अर्जेंटीना अभी भी पांच मैचों में 12 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है।

शमी के पास वसीम अकरम और लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ने का मौका

नई दिल्ली ।

करीब डेढ़ माह के सफर के बाद वर्ल्डकप 2023 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। टूर्नामेंट के फाइनल में 19 नवंबर को अहमदाबाद में टीम इंडिया का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। हालांकि लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराने के कारण रोहित शर्मा ब्रिगेड निश्चित रूप से कुछ मनोवैज्ञानिक लाभ की स्थिति में होगी। हालांकि घरेलू माहौल और 8 अक्टूबर के वर्ल्डकप मैच में कंगारू टीम पर इस जीत के बाद भारतीय टीम यह बात भलीभांति जानती है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम 'पलटवार' के लिए मशहूर है और शुरुआती मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद अपने प्रदर्शन को शीर्ष स्तर पर पहुंचाकर फाइनल में पहुंची है। घरेलू मैदान पर बैटिंग हमेशा से ही टीम इंडिया की बड़ी ताकत रही लेकिन इस टूर्नामेंट में भारतीय गेंदबाजों (खासकर तेज गेंदबाजों) ने जैसा प्रदर्शन किया है, यह देखकर दुनिया के दिग्गज प्लेयर्स भी हैरान हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की जोड़ी टूर्नामेंट में बेहतरीन रही है, जबकि मोहम्मद सिराज सहयोगी के रोल में खरे उतरे हैं। 33 वर्षीय शमी के प्रदर्शन की जिनती तारीफ की जाए, वह कम है। टूर्नामेंट के 6 मैचों में ही 9.13 के चमत्कारी औसत और 10.91 के स्ट्राइक रेट से 23 विकेट लेकर वे सबसे सफल बॉलर हैं, दूसरी ओर बुमराह ने शुरुआती, मिडिल और डेथ ओवर्स में कंजूसी भरी बॉलिंग के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर विकेट भी लिए हैं। वे 18.33 के औसत से अब तक 18 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। शमी ने टूर्नामेंट में अब तक तीन बार पारी में 5 या इससे अधिक विकेट ले चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में ही उन्होंने वनडे और वर्ल्डकप का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (7/57) दिया था। टीम इंडिया फाइनल में भी शमी से इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद लगाए होगी। संभवतः अपना आखिरी वर्ल्डकप खेल रहे शमी के पास फाइनल में दो बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। वर्ल्डकप के 17 मैचों

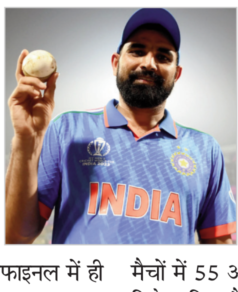

में अब तक 54 विकेट ले चुके इस गेंदबाज के पास पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम और श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को पछाड़ने का मौका है। अकरम ने वर्ल्डकप के 38 मैचों में 55 और मलिंगा ने 29 मैचों में 56 विकेट लिए हैं। शमी दो विकेट की स्थिति में अकरम और तीन विकेट लेने की स्थिति में मलिंगा को पीछे छोड़ सकते हैं। यदि वे ऐसा करने में सफल रहे तब ग्लेन मेग्राथ, मुथैया मुरलीधरन और मिचेल स्टॉर्क के बाद वर्ल्डकप इतिहास के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन जाएंगे।

परफेक्ट सिनर ग्रुप में शीर्ष पर, जोकोविच को सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद की

ट्यूरिन। जानिक सिनर के निट्टो एटीपी फाइनल्स चार्ज ने उन्हें ग्रीन ग्रुप के शीर्ष पर पहुंचा दिया है। घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी ने गुरुवार को प्रतिष्ठित सीज़न के आखिरी राउंड-रॉबिन चरण मैच में होल्गर रूण को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर ग्रुप में टॉप किया। ऐसा करते हुए, उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि छह बार के चैंपियन और विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच उनके साथ सेमीफाइनल में पहुंचें। सिनर ने स्टेफानोस सितसिपास और जोकोविच के खिलाफ अपनी शुरुआती जीत को पाला अलपिटौर के अंदर सप्ताह के तीसरे साहसी प्रदर्शन के साथ समर्थित किया, चार में से दो ब्रेक प्वाइंट को परिवर्तित करके मैच में दो घंटे, 33 मिनट में जीत दर्ज की। सिनर ने कहा, नोवाक के खिलाफ अच्छी जीत के बाद रीसेट करना मेरे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण था। मैं कभी भी रूण के खिलाफ नहीं जीता, इसलिए मैंने वास्तव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। मैंने वास्तव में अच्छी शुरुआत की। दूसरे सेट में, उसने बेहतर सर्विस की, वह बेहतर तरीके से आगे बढ़ा, इसलिए यह बहुत अधिक समान मैच था। तीसरा सेट उसका हो सकता था। 4-3 पर मैंने एक ब्रेक पॉइंट बचाया। आज यह थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा था, लेकिन जाहिर तौर पर सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं। मैच के पहले सेट और आधे भाग में सिनर अधिक सहज खिलाड़ी दिखे, लेकिन दूसरे सेट के मध्य में पीठ की स्पष्ट चिंता के कारण उनके मूवमेंट में समझौता हुआ। दृढ़ता बनाए रखते हुए, इटालियन ने मैच को निर्णायक सेट में गहराई तक ले लिया और दोनों के बीच तीन लेक्सस एटीपी हेड2हेड भिड़ंत में रूण के खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए स्टैंड से जोरदार समर्थन प्राप्त किया।

पहली फिल्म 'बॉर्डर' थी, जो मैंने अपने पिता के साथ थिएटर में देखी थी : मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने पहले सिनेमाई अनुभव को याद करते हुए बताया कि उन?होंने जेपी दत्ता की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' पहली बार देखी थी। तब से, वह सेना के जवानों के जीवन और उनकी वीरता की कहानियों से प्रेरित हैं।

अभिनेत्री ने कहा, 'बॉर्डर एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी और इसने हमारे बहादुर सैनिकों के जीवन में मेरी रुचि जगाई। पिप्पा पर काम करने से मुझे उसी दुनिया में फिर से जाने और हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों के साथ गहरा जुड़ाव महसूस करने का मौका मिला।'

मृणाल ने 'पिप्पा' की फिल्मांकन प्रक्रिया के दौरान अपनी भावनात्मक यात्रा को दर्शाते हुए साझा किया, 'यह पहली फिल्म थी जो मैंने अपने पिता के साथ थिएटर में देखी थी और मैं हमेशा एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए गहराई से प्रेरित थी जो सशस्त्र बलों की वीरता और ताकत को प्रदर्शित करती है।'

पिप्पा में मृणाल रॉ द्वारा नियुक्त एक खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाती हैं, एक ऐसी भूमिका जो उनकी अभिनय क्षमता को दर्शाती है। वह प्रतिभाशाली अभिनेता ईशान खट्टर और प्रियांशु पेनयुली की ऑन-स्क्रीन बहन की भूमिका भी निभाती हैं, जो कहानी में एक सम्मोहक गतिशीलता लाती है।

'द बर्निंग चैफीज' पुस्तक पर आधारित यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 45वें कैवेलरी टैंक स्क्वाड्रन के ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता के वीरतापूर्ण कारनामों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां उन्होंने अपने भाई-बहनों के साथ बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

2024 में ग्रैंड वर्ल्ड टूर करेंगी नोरा फतेही

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही 2024 की शुरुआत में एक ग्रैंड वर्ल्ड टूर पर निकलेंगी। इस दौरान वह न केवल अपने बॉलीवुड सोलो पर परफॉर्म करेंगी, बल्कि एक नए इंटरनेशनल ट्रैक का भी अनावरण करेंगी। इस टूर में उनके वोकल टैलेंट का भी परफॉर्मेंस होगा, साथ ही कुछ और बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस भी देखने को मिलेंगे। जैसे-जैसे उनके वर्ल्ड टूर के चलते उनके प्रोफेशनल लाइफ में एक नया मोड़ आ रहा है, नोरा फतेही भी अपकमिंग फिल्मों की सूची में अभिनय करने के लिए तैयार हो रही हैं। वह वरुण तेज की फिल्म 'मटका' से तेलुगु में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में, नोरा अपनी एक्टिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए हाई-ऑक्टेन थ्रिलर 'क्रैक' में विद्युत जामवाल के साथ स्क्रीन पर नजर आने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, वह अभिषेक बच्चन के साथ रेमो डिसूजा की 'बी हैप्पी' में दर्शकों को खुश करने के लिए भी तैयार हैं, और कुणाल खेमू की 'मडगांव एक्सप्रेस' के कलाकारों के साथ जुड़कर अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता लाएंगी, जहां वह एक हास्य भूमिका निभाएंगी।

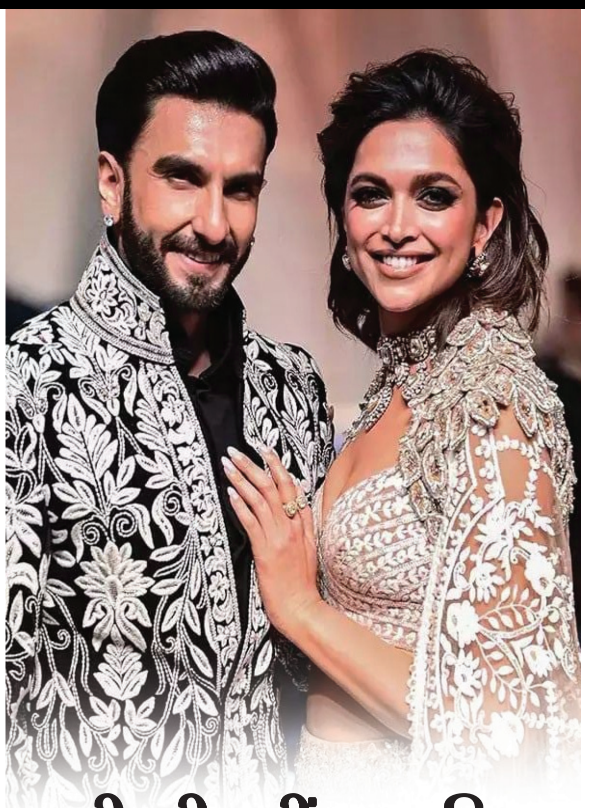

शादी की 5वीं सालगिरह मनाई दीपिका-रणवीर ने

बॉलीवुड के हॉट कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मंगलवार को अपनी शादी की 5वीं सालगिरह मनाई और बेल्जियम में छुट्टियां मनाते नजर आए ।एक प्रॉपर्टी के अंदर सड़क की ओर पीठ करके बैठे जोड़े की एक तस्वीर इंटरनेट पर सामने आई है ।एक्स से बात करते हुए एक प्रशंसक ने दावा किया कि उसने इस जोड़े को ब्रसेल्स में देखा था। उन्होंने एक स्नैपशॉट भी साझा किया जिसमें दोनों एक सैलून के अंदर एक आलीशान सोफे पर बैठे बातचीत कर रहे थे ।एक प्रशंसक द्वारा साझा की गई एक अन्य तस्वीर में जोड़े को अपने प्रशंसकों के साथ पोज देते हुए और गर्म कपड़े पहने हुए दिखाया गया है ।रणवीर-दीपिका ने छह साल तक डेटिंग के बाद 14 नवंबर, 2018 को इटली के लेक कोमो में शादी की। इनका रोमांस गोलियों की रासलीला राम-लीला से शुरू हुआ था।

हाल ही में पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण में रणवीर सिंह ने बताया कि 2015 में उन्होंने दीपिका को प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, ऋइसके पहले की कोई और आ जाए, मैं जाके चप्पल रख देता हूं।ऋ बता दें कि यह जोडी फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला की 10वीं सालगिरह मना रहे है। इस जोड़ी को हाल ही में ब्रसेल्स में छुट्टियां मनाते हुए देखा गया।

शाहरुख और थलापति करेंगे एकसाथ अभिनय

निर्देशक एटली कुमार ने बालीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान और थलापति विजय को लेकर अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। उनकी फिल्मों में एक्शन से लेकर इमोशन और रोमांस तक सब कुछ देखने को मिलता है। हिन्दी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म जवान देने वाले एटली कुमार ने इससे ज्यादा अपनी अगली फिल्म की डिटेल शेयर नहीं की है।

एटली ने खुलासा किया है कि वह एक स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं जो इन पावरहाउस टैलेंट को एक साथ लाएगी। एटली के निर्देशन में दो बड़े एक्टर्स के कोलैबोरेशन की संभावना ने फैंस और सिनेलवर्स के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। मीडिया से चर्चा में एटली ने खुलासा किया कि उन्होंने विजय को फोन किया और उन्हें अपने जन्मदिन की पार्टी में इनवाइट किया था। विजय ने सुनिश्चित किया कि वह वहां मौजूद रहेंगे। जब विजय पार्टी में आए तो शाहरुख और विजय ने आपस में बातचीत की और फिर एटली को बुलाया।

इसके बाद शाहरुख ने निर्देशक से कहा कि अगर वह कभी दो हीरो वाली फिल्म बनाने की प्लानिंग करें तो वे दोनों इसके लिए तैयार हैं। इस पर विजय ने भी हामी भरते हुए कहा, मैं इस पर काम कर रहा हूं। यह मेरी अगली फिल्म हो सकती है। मैं इसकी स्क्रिप्ट लाने के लिए बहुत मेहनत कर रहा हूं, देखते हैं। एटली का निर्देशन ट्रैक रिकॉर्ड काफी दमदार रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में की हैं जिनमें राजा रानी, थेरी, मेर्सल, बिगिल और हाल ही में शाहरुख खान स्टारर जवान शामिल हैं।

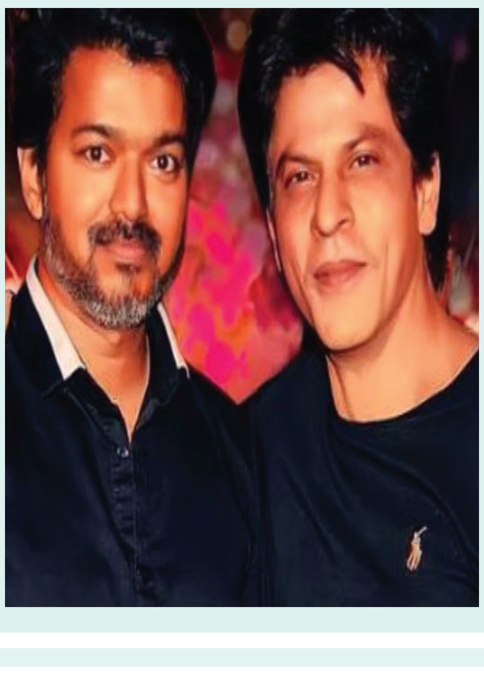

मलायका मेरी 'पहली संतान' हैं: फराह खान

फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान ने उन्हें अपनी 'पहली संतान' बताते हुए कहा कि उन्होंने पहले मलायका अरोड़ा को खोजा और फिर दीपिका पादुकोण को। 'छैया छैया' गाने के लिए चलती ट्रेन में शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में 'झलक दिखला जा' की जज मलाइका ने कहा, ऋमुझे याद है कि चलती ट्रेन पर डांस करना कितना चुनौतीपूर्ण था। हम सभी डरे हुए थे। आपने यहां इस मूविंग प्लेटफॉर्म पर जो प्रयास किया, वह आपके लिए भी कठिन रहा होगा। यह एक बहुत अच्छा एलिमेंट है, जिसे आप लेकर आये।' ये किस्से सेलिब्रिटी डांस शो 'झलक दिखला जा' में साझा किए गए, जहां कंटेस्टेंट्स आने वाले एपिसोड में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। कुश्ती के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के लिए मशहूर संगीता फोगाट ने कोरियोग्राफर भरत घरे के साथ बॉलीवुड ट्रैक 'छैया छैया' में अपने अभिनय से अमिट छाप छोड़ी है। फराह खान, जिन्होंने मूल रूप से गाने की कोरियोग्राफी की थी, ने खुलासा किया कि उन्होंने मलायका को कैसे ढूंढा। उन्होंने कहा, 'हर कोई कहता है कि मैंने दीपिका को खोजा, लेकिन मैंने पहले मलायका को खोजा। वह मेरी पहली संतान है। गाने की शूटिंग से दो दिन पहले मैंने मलायका को यह गाना करने के लिए बुलाया। उनसे पहले हमने छह-सात हीरोइनों को अप्रोच किया था, लेकिन बात नहीं बनी।' 'हम इस बात को लेकर असमंजस में थे कि इस गाने के लिए किसे चुनें। तभी मिकी कॉन्ट्रैक्टर ने मुझे बताया कि मलायका एक बहुत अच्छी डांसर हैं। वह मॉडल हैं। मुझे चिंता थी कि वह घाघरा-चोली में इंडियन डांस कैसे करेंगी। इसलिए, मैंने उन्हें दो दिन पहले ऊटी बुलाया, और हमने रात में रिहर्सल की, और हमने दिन के दौरान शूटिंग की।' डांस नंबर के लिए ट्रेन पर चढ़ते वक्त मलाइका कांप रही थीं। 'हमने उन्हें ट्रेन पर चढ़ाया। वह कांप रही थी, सचमुच, कोई सेफ्टी नहीं थी, कुछ भी नहीं। उन्होंने कोई मेकअप नहीं किया था, केवल काजल और एक टैटू था जो गीता ने उनकी बाहों पर बनाया था। और हां, शाहरुख उनके साथ वहां थे।' फराह ने बताया कि शाहरुख खान, मलायका का बहुत ख्याल रखते थे। 'शाहरुख उनका बहुत ख्याल रखते थे। हर कोई हमसे सुरक्षा सावधानियों के बारे में पूछता था, और मैंने जो एकमात्र सावधानी बरती वह अतिरिक्त डांसर्स को ले जाना था।' यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

बैकलेस आउटफिट पहन मलाइका अरोड़ा ने दिए सेक्सी पोज

बॉलीवुड की हॉट और बोल्ड फैशनिस्ट मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अपने परफेक्ट फिगर और फैशन स्टेटमेंट्स के चलते अक्सर लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हमेशा अुपने लुक्स से फैंस के बीच तबाही मचा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर मदहोश हो जाते हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपनी बैकलेस बॉडीकॉन गाउन में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मलाइका अरोड़ा ने अपनी इन फोटोज में हॉट और सिजलिंग अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए हैं। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। एथनिक हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने हर लुक में बवाल दिखती हैं। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो म्यूजिक वीडियोज और कई आइटम सॉन्ग्स में नजर आ चुकी हैं।

राजाराम में विलेन की भूमिका में नजर आयेंगे आर्यन बब्बर

अभिनेता आर्यन बब्बर भोजपुरी फिल्म राजाराम में विलेन की भूमिका में नजर आयेंगे। फिल्म रेड्डी में सलमान खान से लोहा ले चुके आर्यन बब्बर अब टेक्नीशियन फ़िल्म फैक्ट्री के बैनर तले बन रही फिल्म राजाराम में मुख्य विलन की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में आर्यन,खेसारीलाल यादव से टक्कर लेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों गोरखपुर के खूबसूरत लोकेशन पर चल रही है, जिसके निर्देशक पराग पाटिल है। फिल्म की मुख्य भूमिका में खेसारी लाल यादव और राहुल शर्मा नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के निर्माता पराग पाटिल और राकेश रौशन सिंह हैं।

आर्यन बब्बर ने फिल्म राजाराम को लेकर कहा कि यह बड़े बैनर की फिल्म है और यह मेरे लिए बड़ी ऑपर्च्युनिटी है। फिल्म की कास्ट एंड क्रू बेहद उत्साहित करने वाली है। इस फिल्म में मेरी भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसके किरदार को जीवंत करने की मैं पूरी कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि पराग पाटिल के नेतृत्व में यह फिल्म बेहद अच्छी बनने वाली है। यह मुझे पूरा विश्वास है। फिल्म का हर किरदार महत्वपूर्ण है और मुझे लगता है कि यह फिल्म जब पर्दे पर आएगी तो लोग इसे खूब पसंद करेंगे और हमारी फिल्म से जुड़ पाएंगे। जब से मैं इस फिल्म का हिस्सा बना हूं, तब से मेरे फोकस फिल्म पर है और गोरखपुर के लोकेशन में मैं इस फिल्म की शूटिंग में पूरी तरह से व्यस्त हूं। आगे जब फिल्म रिलीज होगी, तब दर्शकों को पता चल जायेगा। फिल्म राजाराम में मुख्य भूमिका में खेसारीलाल यादव, राहुल शर्मा, सोनिका गौड़ा, सपना चौहान,सुबोध सेठ,विनोद मिश्रा,के के गोस्वामी,संजय पाण्डेय, अमित शुक्ला,जे पी सिंह,डॉ यादवेंद्र यादव,संजीव मिश्रा,दीपक सिन्हा,भानु पाण्डेय,निशा तिवारी हैं। डीओपी आर आर प्रिंस, लेखक अरविंद तिवारी और म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी का होगा।

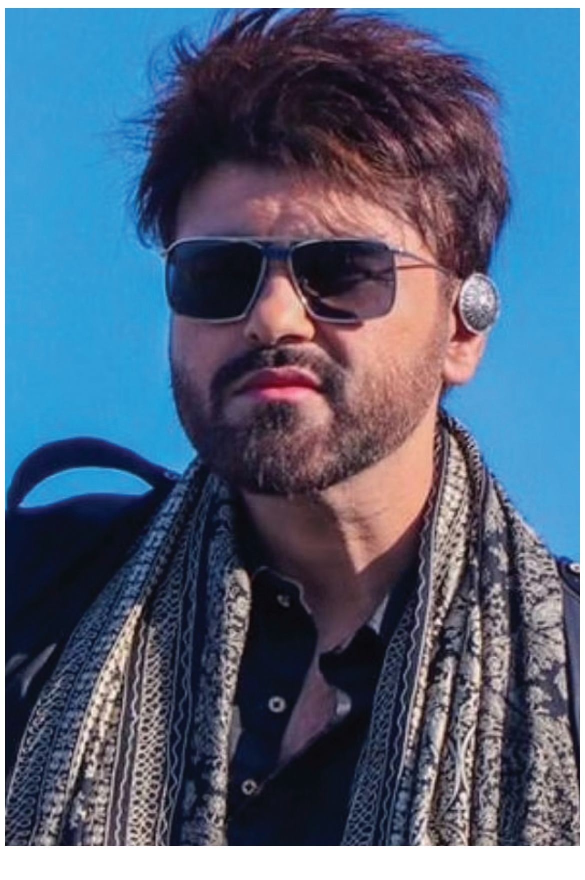

गाजा में 11,470 फलस्तीनियों की मौत, ज्यादातर लोग इजराइली हमलों में मारे

गाजा । फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि छह सप्ताह पहले इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में 11,470 फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार ज्यादातर लोग इजराइली हवाई हमलों में मारे गए हैं। मृतकों में 4,707 नाबालिग थे और 3,155 महिलाएं थीं। मंत्रालय लड़ाकों और नागरिकों के बीच अंतर नहीं करता है। हाल के दिनों में वेस्ट बैंक में फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाजा में मरने वालों की संख्या को अद्यतन करना शुरू किया है। पिछले हफ्ते तक हमास द्वारा संचालित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय फलस्तीनी नागरिकों की मौत की संख्या का मुख्य आधिकारिक स्रोत था। मंत्रालय के प्रमुख अधिकारी गाजा शहर के शिफा अस्पताल से काम कर रहे थे और अस्पताल में बिजली और कनेक्टिविटी खत्म हो जाने के बाद उन्होंने जानकारी देना बंद कर दिया था।

शिकागो में यात्री ट्रेन के एक रेल उपकरण से टकराने से 19 यात्री घायल

शिकागो । शिकागो में एक यात्री ट्रेन के एक रेल उपकरण से टकरा जाने के कारण कम से कम 19 यात्री घायल हुए, जिनमें से तीन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। एक दमकल अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। शिकागो दमकल विभाग ने कहा कि शिकागो ट्रांजिट अथॉरिटी (सीटीए) की एक ट्रेन शहर के उत्तरी हिस्से में पूर्वाह्न करीब 11 बजे पटरी पर गिरे उपकरण के एक टुकड़े से टकरा गई। दमकल विभाग के प्रवक्ता लैरी लैंगफोर्ड ने बताया कि तीन लोगों को गंभीर चोटें आईं, जबकि 16 अन्य को मामूली चोटें आईं। लैंगफोर्ड ने घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई। स्टेशन के पास हादसे वाले स्थान पर कम से कम 15 एम्बुलेंस भेजी गईं। सीटीए ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि दुर्घटना के कारण उसकी विभिन्न ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

शी ने बाइडन को बीआरआई में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

वाशिंगटन । चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को अपनी पसंदीदा वैश्विक पहल बीआरआई में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। चिनफिंग ने साथ ही वाशिंगटन समर्थित बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में की गई पहलों में शामिल होने के लिए अपनी तत्परता भी व्यक्त की। चिनफिंग द्वारा 2015 में शुरू की गई बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) के तहत चीन अब तक एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। चीन की योजना की अमेरिका और भारत सहित कई देशों ने आलोचना की है। श्रीलंका और पाकिस्तान सहित कई देश चीन की योजना के सबसे बड़े लाभार्थी रहे हैं और ये सभी देश बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। अमेरिका, भारत और यूरोपीय संघ के कई देश बीआरआई का हिस्सा नहीं हैं।

यूक्रेन या रूस को हथियार मुहैया नहीं कराए, पाकिस्तानी सरकार ने बताया

कराची । पाकिस्तान ने कहा कि उसने यूक्रेन या रूस को हथियार मुहैया नहीं कराए हैं क्योंकि वह दोनों देशों के बीच संघर्ष में तटस्थ है। तीसरे देश के माध्यम से यूक्रेन को हथियारों की कथित बिक्री के बारे में पूछने पर विदेश कार्यालय (एफओ) की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा, मैं इसकी पुष्टि करती हूं, जैसा हमने अतीत में कहा है कि पाकिस्तान ने यूक्रेन या रूस को हथियार नहीं बेचे हैं, क्योंकि हमने इस संघर्ष में तटस्थता की नीति अपनाई है।'' बलोच ने कहा कि पाकिस्तान यह पुष्टि करने की स्थिति में नहीं है कि संघर्ष में दोनों पक्षों द्वारा किन हथियार का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में, एक रिपोर्ट में बताया था कि नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने रूस के साथ जारी युद्ध में यूक्रेन को गोला-बारूद की आपूर्ति करने के लिए पिछले साल दो निजी अमेरिकी कंपनियों के साथ हथियार सौदे में 36.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर कमाए।

फिलीपींस में 7.2 तीव्रता का भीषण भूकंप, जान-माल का नहीं हुआ नुकसान

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस में शुक्रवार 17 नवंबर शाम सवा चार बजे जबरदस्त भूकंप आया है। दक्षिणी फिलीपींस में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.2 मापी गई है। फिलहाल भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल को नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। जानकारी अनुसार दक्षिणी फिलीपींस में शुक्रवार शाम जबरदस्त भूकंप आया है। इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई है। हालांकि जानमाल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने भूकंप की जानकारी देते हुए बताया, कि अपतटीय भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 4.14 बजे आया। खबर में बताया गया कि भूकंप का केंद्र दावाओ ऑक्सिडेंटल क्षेत्र में सारंगानी शहर से लगभग 30 किमी दक्षिण पश्चिम में भूतल से 10 किमी अंदर की गहराई पर था। जानकारी अनुसार टेक्टोनिक भूकंप के बाद क्षेत्र में आगे भी और झटके आएंगे तथा नुकसान भी हो सकता है। फिलहाल किसी अन्य चेतावनी या सुरक्षा की बात नहीं कही गई है। इसमें भूकंप के कारण सुनामी आने जैसी चेतावनी जारी हुई है या नहीं इसका भी कोई जिक्र नहीं है। बताया गया है कि जनरल सैंटोस सिटी और आस-पास के प्रांतों सहित मिंडानाओ द्वीप के इलाकों में भी भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये हैं। प्रशांत रिंग ऑफ फायर के पास स्थित होने के कारण फिलीपींस में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किये जाते हैं।

पत्नी पर पेचकस से 41 बार वार करके कर दी उसकी हत्या

तुर्की । तुर्की में एक ब्रिटिश व्यक्ति ने पत्नी पर पेचकस से 41 बार वार करके उसको मौत के घाट उतार दिया। यहां के एक स्थानीय अखबार के अनुसार पुलिस ने एक 28 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार व्यकित की 26 वर्षीय पत्नी इस्तांबुल के फतिह में एक होटल में मृत पाई गई थी। उसकी गर्दन और शरीर पर 41 घाव मिले थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इसकी पहचान अहमत यासीन के रूप में हुई है। यासीन को पुलिस ने खून से सनी टी-शर्ट पहने हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी यासीन ब्रिटिश नागरिक है, उसने कथित तौर पर पत्नी पर पेचकस से 41 बार वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार होटल के कमरे में चीख-पुकार मच गई थी। आवाज सुनकर होटल के कर्मचारी कमरे में दाखिल हुए और वहां पर महिला को खून से लथपथ पाया। मेडिकल जांच से पता चला कि महिला के शरीर पर घाव पेचकस से मारे जाने के हैं। पुलिस ने कमरे की तलाशी के बाद मृत महिला के 28 वर्षीय पति को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसने हत्या की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि पेचकस उसने शौचालय में फेंक दिया है। पुलिस डिक्टेटिव ने बताया कि दंपती घटना से ठीक तीन दिन पहले ब्रिटेन से आए तुर्की आए थे। आरोपी पति यासीन ने पुलिस को बताया कि उन दोनों के बीच नशीले पदार्थ के सेवन और उसकी सप्लाई को लेकर झगड़ा हुआ और बाद में यह एक दुखद घटना में तब्दील हो गया।

इजरायली बंधक का शव किया बरामद, आईडीएफ अस्पताल का कर रही मुआयना

यरूशलम। बीते सात अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने इजरायल पर हमला करके कई लोगों को मार दिया था और कईयों को बंधक बना लिया था। इसी घटना में बंधक बनाई गई इजरायल की महिला का शव आईडीएफ ने बरामद किया है। आशंका है कि ये वही महिला है जो हमास के आतंकियों ने अपहरण कर लिया था। आईडीएफ ने घोषणा की कि उसे येहुदित वीस का शव मिला है जिसका 7 अक्टूबर को हमास आतंकवादियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था।

गुरुवार को जारी एक वीडियो से ली गई इस छवि में, परमाणु-सक्षम अवनगार्ड हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन से लैस एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को रूस के ऑरेनबर्ग क्षेत्र में अपने लॉन्च साइलो में ले जाया गया ।

क्या भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से होगी शुरू? कनाडा के मंत्री ने सवाल पर फिर अलावा निज्जर राग

विदेश मंत्री एस जयशंकर के यह कहने के एक दिन बाद कि भारत आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता के बारे में कनाडा के आरोपों की जांच से इनकार नहीं कर रहा है। कनाडा ने कहा है कि वह भारत को इसमें सहयोग देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग बैठक के इतर मीडिया से बात करते हुए, कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मैरी एनजी ने कहा कि हमारा ध्यान, निश्चित रूप से, इस जांच पर है, उस काम को करना है जगह लें। एनजी ने कहा कि फिलहाल, कनाडा का ध्यान जांच के काम को आगे बढ़ने देने पर है। आपने मुझे और सरकार को इस बारे में बात करते हुए सुना होगा कि यह कितना महत्वपूर्ण है कि जांच हो, क्योंकि हमने कनाडा की धरती पर एक कनाडाई की हत्या कर दी थी। इसलिए, हम यह पूछे जाने पर कि क्या व्यापार वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि बेशक, हमारा ध्यान इस जांच पर है, यह काम होना ही है। कनाडाई मंत्री ने भारत में व्यवसायों और निवेश पर भी बात की और कहा, हालांकि कनाडाई भारत में व्यापार करना जारी रखते हैं, व्यापार मंत्री के रूप में मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि भारत में कनाडाई व्यवसायों और निवेशकों को समर्थन और उपकरण उपलब्ध हों।

इजरायल-हमास युद्ध: अमेरिका ने पहली बार इजरायल का नहीं दिया साथ

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अचानक ऐसा क्या हुआ कि हरेक मौके पर इजरायल के साथ देने वाले अमेरिका ने दूरी बना ली। पहली बार संयुक्त राष्ट्र में उसके खिलाफ आए प्रस्ताव पर राह अलग कर ली। गाजा में मानवीय सहायता के लिए युद्ध रोकने की मांग वाला प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से पारित हो गया है। इस प्रस्ताव को स्थायी और 10 अस्थायी सदस्यों ने समर्थन दिया और किसी ने भी विरोध नहीं किया। वहीं इजरायल के प्रबल समर्थक अमेरिका, ब्रिटेन और रूस इस पर वोटिंग से ही गैरहाजिर रहे।

यह भी दिलचस्प बात है कि आमतौर पर अलग-अलग राह पकड़ने वाले या विरोधी खेमे में रहने वाले अमेरिका और रूस भी इस बार साथ नजर आए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में कहा गया है कि गाजा में मानवीय सहायता के लिए कॉरिडोर बनाया जाए। इसके युद्ध रोका जाए और जरूरी मदद लोगों को मिले। इस प्रस्ताव को पेश किए जाने के दौरान अमेरिका ने हमास की निंदा न करने पर सवाल भी उठाया, लेकिन वोटिंग की बात आई तो गैरहाजिर हो गया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की प्रतिनिधि लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा, हम इस बात से हैरान हैं कि परिषद के कई सदस्यों ने हमास के आतंकी हमले की निंदा तक नहीं की है। इजरायल पर 7 अक्टूबर को हमास ने बर्बर हमला किया था, उसके बाद ही वह बचाव में हमले कर रहा है।

लिंडा थॉमस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र से हमारी यह अपील जारी रहेगी कि सभी एक मत से हमास के हमले

की निंदा करें। अमेरिका ने कहा कि इस प्रस्ताव की हम निंदा करते हैं कि क्योंकि इसमें हमास को लेकर कुछ कहा ही नहीं गया। वहीं यूके ने भी कहा कि यह दुख की बात है कि इस प्रस्ताव में हमास की आलोचना नहीं की गई है। हालांकि ब्रिटेन ने यह भी कहा कि हम चाहते हैं कि बेगुनाहों की जान न जाए, लेकिन हमास की निंदा भी होनी चाहिए थी। वहीं रूस ने वोटिंग से दूर रहने की अलग ही वजह बताई।

सयुक्त राष्ट्र में रूस की प्रतिनिधि वैसिली नेबेन्जया ने कहा कि इस प्रस्ताव में तत्काल युद्ध रोकने का प्रस्ताव नहीं है। इसलिए हमारा समर्थन नहीं है। रूस ने कहा कि किसी भी तरह की मानवीय सहायता के लिए यह जरूरी है कि युद्ध को तत्काल रोक दिया जाए। दरअसल प्रस्ताव में तत्काल युद्ध रोकने की बात नहीं है बल्कि यह कहा गया है कि मानवीय प्रस्ताव के लिए युद्ध को विराम दिया जाए। इसके अलावा गाजा पट्टी में जरूरी सेवाओं को न रोकने की भी अपील की गई है।

हालांकि इस प्रस्ताव को इजरायल ने सिरे से खारिज किया है। इजरायल के प्रतिनिधि ब्रेट जोनाथन मिलर ने कहा कि यूएनएससी का प्रस्ताव सच्चाई से परे है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव में इजरायल से भले अपील की गई है, लेकिन हमास को लेकर चुप्पी दिखती है। इजरायल ने कहा कि यह प्रस्ताव तो आतंकी संगठनों पर कोई बात ही नहीं करता। यही नहीं यूएनएससी पर ही सवाल उठाते हुए इजरायल ने कहा कि परिषद ने पिछले 6 सप्ताह में 10 बैठकें कर ली हैं, लेकिन एक बार भी हमास को लेकर कुछ नहीं कहा।

चुपचाप कई देशों को बर्बाद करने की पाकिस्तान ने उठाई सुपारी, खुफिया विमानों ने इस्लामाबाद से भरी उड़ान, भारत और रूस के लिए चिंता की बात क्यों?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क और चीन के हाथों की कठपुतली पाकिस्तान कई देशों को बर्बाद करने की सुपारी उठा चुका है। चिंता की बात इसलिए भी है कि उसके निशाने की जद में भारत और रूस जैसे देश भी आ सकते हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगस्त 2022 के बाद से पाकिस्तान से कई खुफिया विमानों ने उड़ान भरी है। ये विमान पाकिस्तान में लाखों डॉलर लेकर आए और बदले में हथियार ले गए। दरअसल, मक्कार पाकिस्तान रूस को मिटाने के लिए लगातार पश्चिमी देशों की मदद कर रहा है।

दिवालिया होने से बचने के लिए पैसों के मोहताज पाकिस्तानने रूस के साथ युद्ध के बीच यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करने के लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ हथियार सौदे से लाखों डॉलर कमाए। बीबीसी उर्दू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने 2022 में यूक्रेन को गोला-बारूद की आपूर्ति करने के लिए दो निजी अमेरिकी कंपनियों के साथ हथियार सौदे में 364 मिलियन डॉलर कमाए। इससे पहले खबर आई थी कि पाकिस्तान ने पिछले साल अमेरिका के दबाव में एक गुप्त सौदे के तहत यूक्रेन को युद्ध सामग्री बेची थी। बदले में अमेरिका ने इस्लामाबाद को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक बहुत जरूरी राहत पैकेज हासिल करने में मदद की।

सौदों के बारे में अधिक जानकारी अब सामने आई है, बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एक ब्रिटिश सैन्य मालवाहक विमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान वायु सेना बेस नूर खान से साइप्रस, अक्रोटिरी में यूके सैन्य अड्डे और फिर आपूर्ति के लिए रोमानिया तक कुल पांच बार उड़ान भरी। युद्धग्रस्त देश को हथियार। पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर कभी स्वीकार नहीं किया है कि उसने यूक्रेन को हथियार बेचे हैं। अमेरिकी फेडरल प्रोक्योरमेंट डेटा सिस्टम से अनुबंध के विवरण का हवाला देते हुए, बीबीसी रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान ने 155 मिमी गोले की बिक्री के लिए ग्लोबल मिलिट्री और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन नामक अमेरिकी कंपनियों के साथ दो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के समझौते पर 17 अगस्त, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे,

ग्लोबल साउथ की बढ़ती भूमिका का हो रहा विरोध, एस जयशंकर बोले- आत्मनिर्भरता की दिशा में करना चाहिए काम

(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि ग्लोबल साउथ को उत्पादन में विविधता लाने, विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करने और दूर के भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता के खतरों को दूर करने के लिए स्थानीय समाधानों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करना चाहिए। वर्चुअल वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में विदेश मंत्रियों के एक सत्र को संबोधित करते हुए, जयशंकर ने कहा कि विश्व व्यवस्था में व्यापक बदलावों के बावजूद समकालीन चुनौतियों का समाधान खोजने में ग्लोबल साउथ की बड़ी भूमिका का विरोध जारी है।

हालाँकि, जयशंकर ने अपनी टिप्पणी में किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन जब उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और विकास परियोजनाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दे उठाए तो वह स्पष्ट रूप से चीन का जिक्र कर रहे थे। भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान, देश ने खुद को विकासशील देशों की आवाज़ के रूप में पेश करने की

कोशिश की, जिनमें से कई को पहले चीन ने अपनी बेल्ट और रोड पहल के माध्यम से लुभाया था।

जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ को आर्थिक सांद्रता के मुकाबले हमारी कमजोरियों को कम करने के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करने की जरूरत है। कोविड-19 युग 'बुनियादी जरूरतों के लिए दूर-दराज के देशों पर निर्भरता के खतरों की कड़ी याद दिलाता है। हमें न केवल उत्पादन का लोकतंत्रीकरण और विविधता लाने की जरूरत है, बल्कि लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला बनाने और स्थानीय समाधानों को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। तभी ग्लोबल साउथ अपना भविष्य सुरक्षित कर सकता है।

चीन ने न कोई युद्ध भड़काया और न ही किसी विदेशी जमीन पर कब्जा किया: शी जिनपिंग

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि चीन ने न कोई युद्ध भड़काया और न ही किसी विदेशी जमीन के एक भी इंच पर कभी कब्जा किया। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग समूह की बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ हुए मुलाकात के बाद चीनी राष्ट्रपति ने दावा किया किया कि पीपुल्स रिपब्लिक की स्थापना के बाद से 70 वर्षों या उससे अधिक समय में चीन ने कोई संघर्ष या युद्ध नहीं भड़काया है और न ही किसी भी विदेशी जमीन पर कब्जा किया है। हालांकि, बैठक के दौरान बाइडेन ने शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग सहित चीन के मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चिंता जताई। व्हाइट हाउस की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति बाइडेन ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता और सभी देशों की अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग सहित पीआरसी मानवाधिकारों के हनन के बारे में चिंता जताई।

बता दें कि शी जिनपिंग ने इस वक्त अमेरिका के दौरे पर है। उन्होंने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। इन दोनों देश के प्रमुखों की मुलाकात ऐसे वक्त पर हो रही है, जब दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण स्थिति में है। इस बैठक के

दौरान चीन की कड़ी व्यापार निगरानी और द्विपक्षीय तनाव के बारे में चिंताओं पर गौर किया जा रहा है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने विदेशी जमीनों से जुड़ा बयान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित वार्ता के कुछ घंटों बाद एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के मौके पर डिनर के बाद दिया।इस दौरान दोनों नेताओं ने एक साल में पहली बार मुलाकात करते हुए तनाव कम करने का वादा किया। इसके अलावा यूएस-चाइना बिजनेस काउंसिल और यूएस-चाइना संबंधों पर राष्ट्रीय समिति की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में शी की टिप्पणियों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। आपको बता दें कि शी जिनपिंग का बयान ऐसे वक्त आया है, जब भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक विशेष मुद्दा रहा है। साल 2020 में भारतीय और चीनी सैनिक गलवान में भिड़ गए थे। मई 2020 में चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर यथास्थिति को आक्रामक रूप से बदलने की कोशिश की थी।

दोनों देशों के बीच दो राज्यों का विवाद सुलझेगा तभी होगा इजरायल-हमास युद्ध विराम: अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। बीते 7 अक्टूबर से इजरायल और हमास के बीच चल रहे भीषण युद्ध के खत्म होने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। कई देशों के प्रयास तब तक समाधान नहीं निकाल सकते जब तक दोनों देशों के बीच चल रहे राज्यों के विवाद का समाधान नहीं हो जाता। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का दृढ़ विश्वास है कि इजरायल-हमास युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक कि दोनों देशों के बीच दो-राज्य मसला हल नहीं हो जाता।युद्ध के बाद के परिदृश्य में अमेरिका और इजरायल के बीच मतभेद बढ़ने और अमेरिका द्वारा इजरायल से गाजा पर दोबारा कब्जा न करने को कहने और इजरायल के इनकार करने के बीच उन्होंने कहा,मैं आपको नहीं बता सकता कि यह कैसे चलेगा।

बाइडेन ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि जब तक दो-राज्य मसला हल नहीं होगा, तब तक इजरायल-हमास युद्ध खत्म हो पाएगा। यह टिप्पणी संघर्ष में इजरायल के लिए अमेरिका के समर्थन की समय सीमा तय करने के सवाल के जवाब में थी। यूएनएससी ने गाजा में मानवीय कारणों की मदद के लिए तत्काल युद्धविराम के लिए पांचवीं बार मतदान किया। बाइडेन ने कहा कि- लेकिन मैं आपको बता सकता हूं, मुझे नहीं लगता कि यह अंततः तब तक समाप्त होगा जब तक कि दो-राज्य समाधान न हो। मैंने इजरायलियों को यह स्पष्ट कर दिया है कि मुझे लगता है कि यह सोचना उनके लिए एक बड़ी गलती है कि वे गाजा पर कब्जा करने जा रहे हैं। राष्ट्रपति से गाजा में बंधकों के बारे में भी पूछा गया, जिसमें कथित तौर पर एक 3 वर्षीय अमेरिकी को बंधक बनाया गया था।

कई मीडिया आउटलेट्स ने बाइडेन के हवाले से कहा, जब तक हम उसे पकड़ नहीं लेते, मैं रुकने वाला नहीं हूं।इस बीच आईडीएफ ने गाजा के अल-शिफा अस्पताल पर अपनी छापेमारी तेज कर दी।अस्पताल के अंदर और उसके आसपास टैंकों की आवाजाही के डर से सैकड़ों नागरिकों के जीवित रहने की आशंका बढ़ गई है, जिनमें दर्जनों समय से पहले जन्मे बच्चे भी शामिल हैं, जो उस स्थान पर फंसे हुए हैं जो अब फिलिस्तीनी पीड़ा का प्रतीक है।इस छापेमारी को हमास के खिलाफ लक्षित अभियान बताया जा रहा है।

व्हाइट हाउस ने मरीजों की सुरक्षा का आह्वान करते हुए कहा कि वह अस्पताल में आग की लड़ाई नहीं देखना चाहता, क्योंकि दुनिया अपडेट मांग रही है। अपने खुफ़िया स्रोतों के जरिए अमेरिका ने इजरायल के इस दावे का समर्थन किया कि आतंकवादी छिपने और बंधकों को रखने के लिए अल-शिफ़ा सहित अस्पतालों और उनके नीचे सुरंगों का उपयोग कर रहे थे। व्हाइट हाउस ने बुधवार की रात कहा कि अमेरिका गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हवाई हमले का समर्थन नहीं करता है और अंदर गोलाबारी नहीं देखना चाहता है, क्योंकि इजरायली सेना ने अल-शिफा अस्पताल पर छापा मारा था, जहां सैकड़ों मरीज और डॉक्टर फंसे हुए हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, स्पष्ट रूप से हम किसी अस्पताल पर हवा से हमला करने का समर्थन नहीं करते हैं और हम उस अस्पताल में गोलीबारी नहीं देखना चाहते, जहां निर्दोष लोग, असहाय लोग, बीमार लोग केवल चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं - गोलीबारी में नहीं फंसना चाहिए।अस्पतालों और मरीजों की सुरक्षा की जानी चाहिए।संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय नेताओं के दबाव बढ़ने पर, इज़राइल युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार मानवीय कार्यों के लिए गाजा में कुछ ईंधन की अनुमति देने पर सहमत हुआ। गाजा में 16 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि 11,200 से अधिक लोग मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल का कहना है कि 7 अक्टूबर को हमास के आतंकवादी हमले में 1,200 लोग मारे गए थे, जबकि 239 लोग अभी भी गाजा में बंधक बने हुए थे।इस बीच, दो दर्जन डेमोक्रेटिक सांसदों ने गुरुवार को एक पत्र पर हस्ताक्षर कर राष्ट्रपति जो बाइडेन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से गाजा में संघर्ष विराम की मांग करने का आग्रह किया। न्यूयॉर्क के प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज़, मिनेसोटा की बेट्टी मैक्कलम, विस्कॉन्सिन के मार्क पोकन और 21 अन्य लोगों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में डेमोक्रेट्स ने लिखा, हम क्षेत्र में तनाव कम करने और स्थिरता हासिल करने के लिए आपके रणनीतिक उद्देश्यों पर स्पष्टता का आग्रह करते हैं।

क्रांति समय

शनिवार, 18-नवम्बर-2023 | देश | 7

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसल ब्रावो दुनिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली परमाणु बम, अमेरिका ने किया था परीक्षण

नई दिल्ली । दुनिया के सारे न्यूक्लियर हथियारों में कैसल ब्रावो को दुनिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली परमाणु बम माना जाता था। इसका कुल वजन 10 टन था। इसकी लंबाई 5 मीटर थी और आकार बेलनाकार था। अमेरिका ने इस बम का परीक्षण मार्च 1954 में बिकनी एटोल के क्षेत्र में किया गया था। इससे 15 मेगाटन की ऊर्जा निकली थी। बता दें कि अमेरिका ने साल 1954 में कैसल प्रोजेक्ट के तहत परमाणु बम के कई परीक्षण किए थे। इस दौरान ही उन्होंने दुनिया के पांचवें सबसे शक्तिशाली परमाणु बम कैसल रोमियो का परीक्षण किया था। ये 11 मेगाटन का है। दुनिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली परमाणु कैसल यांकी है। अमेरिका ने इस बम को भी कैसल प्रोजेक्ट के तहत ही तैयार किया था, इसके बाद इसका परीक्षण किया गया था। इसकी विस्फोट की शक्ति 13 मेगाटन से ज्यादा थी। इसी तरह अमेरिका का आइवी माइक थर्मोन्यूक्लियर फ्यूजन के सिद्धांत पर आधारित दुनिया का पहला न्यूक्लियर बम था। इसकी क्षमता 12 मेगाटन टन थी। इसके टेस्ट के दौरान 7 किमी ऊंचा एक बड़ा न्यूक्लियर मशरूम पैदा हुआ था। जानकार बताते हैं कि एक न्यूक्लियर बम के इस्तेमाल किए जाने पर विनाशकारी मानवीय परिणामों के साथ हजारों लोगों मर सकते हैं। आज पूरी दुनिया में कुल मिलाकर 12,700 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास मौजूदा वक्त में कुल 164 न्यूक्लियर वेपन हैं। हालांकि भारत ने कभी भी अपने परमाणु भंडार के आकार का खुलासा नहीं किया है। आज पूरी दुनिया में पाकिस्तान में कुल मिलाकर 170 न्यूक्लियर वेपन है, जिनमें से गौरी और शाहीन सबसे शक्तिशाली माने जाते हैं। इनकी मारक क्षमता 900 से 2700 किलोमीटर है। वहीं रूस ने साल 1961 में जार बॉम्बा न्यूक्लियर बम का परीक्षण किया था। उन्होंने इसे आर्कटिक क्षेत्र में एक दूर दराज के द्वीप पर टीयू-95 एम विमान से 10 किमी की ऊंचाई पर गिराया था। इस बम की हाइट 8 मीटर थी। इसकी क्षमता 58 मेगाटन से अधिक थी। किम जोंग के देश नॉर्थ कोरिया के पास भी न्यूक्लियर वेपन की भरमार है। इस वक्त नॉर्थ कोरिया के पास 30 न्यूक्लियर वेपन है।

शीत लहर बढ़ी, अनेक शहरों में 10 डिग्री तक गिरा पारा, कई जगह बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली । अब सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। देश के कई राज्यों में ठंड ने जैसे ही दस्तक दी है, पारा अचानक 10 डिग्री तक कम हो गया है। अब शाम से रात तक के समय में हल्की ठंड का एहसास होने लगा है। वहीं, कुछ राज्यों में अभी भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान के चुरू और हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक नीचे पहुंच चुका है। कुछ हिस्सों में पारा 10 से भी नीचे चला गया है। इसके कारण लोगों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में इस सीजन का सबसे कम तापमान रिकॉर्ड किया गया। पारा 10.9 डिग्री तक लुढ़क गया। वहीं, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंडी हवा चल रही है। हालांकि, प्रदूषण से राहत की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही है। इन इलाकों में बारिश के आसार भी फिलहाल नहीं है, जिससे की प्रदूषण से राहत मिलती रहे। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी हल्की बारिश हो सकती है। वहीं आईएमडी ने केरल, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड और असम में भी हल्की बारिश की भविष्यवाणी जारी की है। बता दें कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता गुरुवार को बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के बीच रही। ऐसा इसीलिए हुआ क्योंकि प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण प्रदूषक कणों का बिखराव नहीं हो पाया। दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान-कानपुर की एक संयुक्त परियोजना के हालिया निष्कर्षों से पता चला है कि बुधवार को राजधानी के वायु प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन का योगदान लगभग 38 प्रतिशत था। बृहस्पतिवार को यह आंकड़ा 40 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है। पिछले कुछ दिनों में शहर के प्रदूषण में माध्यमिक अकार्बनिक एयरोसोल का योगदान 30 से 35 प्रतिशत रहा है।

सूरत के भक्त कष्टभंजन हनुमान जी को 1 किलो सोने का हीरा जड़ित मुकुट अर्पण किया

अहमदाबाद । सूरत के एक श्रद्धालु ने बोटाद के साळंगपुर स्थित कष्टभंजन हनुमान जी को 1 किलो सेना का हीरा जड़ित मुकुट अर्पण किया है। हनुमान जी को समर्पित मुकुट 10 कारीगरों ने मिलकर तीन महीने में तैयार किया है। बता दें कि विश्व विख्यात साळंगपुर कष्टभंजन हनुमान जी मंदिर में 175वां शताब्दी महोत्सव चल रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में हरिभक्त कष्टभंजन हनुमान जी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। महोत्सव में हजारों हरिभक्त हनुमान जी को अलग अलग वस्तुएं अर्पण कर रहे हैं। सूरत के एक हरिभक्त ने कष्टभंजन हनुमान जी को सोने का हीराजड़ित मुकुट अर्पण किया है। सूरत के उद्योगपति घनश्यामभाई भंडेरी ने मुकुट को सूरत में ही बनवाया है। मुकुट और कुंडल एक किलो सोने से बनाया गया है। मुकुट में गदा, कला करते दो मोर, मोरपंख और फूलों की आकृति बनाई गई है। इतना ही नहीं मुकुट और कुंडल में 7200 हीरे भी जड़े गए हैं। 375 कैरेट डायमंड जड़ित सोने के मुकुट और कुंडल की डिजाइन बनाने में 10 कारीगरों को तीन महीने का समय लगा।

भारत के पड़ोस मुल्क म्यामांर में हिली धरती

नई दिल्ली । भारत के पड़ोस में फिर से धरती हिली है। म्यामांर में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांप उठी, जिससे लोग सहम उठे। पूर्वोत्तर म्यांमार में शुक्रवार सुबह भूकंप का झटका महसूस किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 5.7 तीव्रता का भूकंप केंग तुंग शहर से लगभग 76 किमी दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था। भूकंप लगभग 10 किमी गहरा था। फिलहाल, इस भूकंप में किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वोत्तर म्यांमार में यह भूकंप उस वक्त आया, जब लोग तड़के गहरी नींद में सोए थे। भूकंप के झटके से उठे लोग घर की ओर भागते दिखे। बता दें कि जिस क्षेत्र में भूकंप आया, वह चीन, लाओस और थाईलैंड की सीमाओं के पास है। बता दें कि थाईलैंड के दूसरे सबसे बड़े शहर और लोकप्रिय पर्यटन स्थल चियांग माई में झटके महसूस किए गए हैं। बता दें कि बीते दिनों यानी 15 नवंबर को पाकिस्तान में तड़के सुबह 5.35 बजे जोरदार भूकंप आया था, जिससे लोग सहम उठे थे। नेशनल सेंटर फर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.2 थी, जिसके झटके लोगों ने कुछ सेकेंड तक महसूस किए। इससे पहले मंगलवार को श्रीलंका के कोलंबा में 6.2 की तीव्रता वाला भूकंप आया था।

बालासाहेब ठाकरे पुण्यतिथि : श्रद्धांजलि के दौरान सीएम शिंदे पर यूबीटी नेता राउत का आरोप

-बाला साहेब के आदर्शों की उपेक्षा करने वालों को नहीं है स्मारक आने का अधिकार

मुंबई । बालासाहेब ठाकरे की 11वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने गुरुवार शाम मुंबई के शिवाजी पार्क पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत झड़प हो गई। श्रद्धांजलि के दौरान हुए शिवसेना दल पर अधिकार को लेकर नारेबाजी के बीच सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि गद्दार और विश्वासघातियों को बाला साहेब के स्मारक पर आने का नैतिक अधिकार नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि जिन लोगों ने सत्ता के लिए बाला साहेब ठाकरे के सत्ता के आदर्शों की उपेक्षा करते हुए शिवसेना को बदनाम करने स ?हित भाजपा के साथ हाथ मिलाकर शिवसेना को खत्म करने को को ?शिश की हैं, उन लोगों को बाला साहेब के स्मारक पर आने का नैतिक अधिकार नहीं है। राउत ने आगे कहा कि यह ठीक है कि सीएम आए क्योंकि वह मुख्यमंत्री हैं। लेकिन जो लोग गद्दार और विश्वासघाती हैं, उन्हें यहां आने का अधिकार नहीं है। जानकारी के अनुसार, सीएम शिंदे के कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए थे कि शिवसेना उनकी पार्टी है। इसी बात से नाराज उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने गद्दारों वापस जाओ के नारे लगाए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया। मामले में मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा था कि कानून व्यवस्था बनाए रखना हर किसी की जिम्मेदारी है। कानून व्यवस्था में कोई दिक्कत न हो इसलिए वह एक दिन पहले ही श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस घटना की निंदा करते हैं। उद्धव गुट के नेता अनिल देसाई और अनिल परब मेरे जाने के बाद पार्क गए थे, उन्होंने नारेबाजी की। शांति को भंग करने का प्रयास किया। यह निंदनीय है।

राहुल गांधी ने जताया भरोसा, बोले-मप्र छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मिलेगा पूरा बहुमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्हे भरोसा है कि दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। यहां कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलेगा। गांधी ने दावा करते हुए कहा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ (दूसरे चरण) में मतदान के साथ, पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी दोनों राज्यों में भारी बहुमत के साथ आगे बढ़ रही है और उन्होंने लोगों से भी आग्रह किया कि अपने मताधिकार का प्रयोग करें। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि अपने घरों से बाहर निकलें, आज भारी संख्या में मतदान करें और ऐसी कांग्रेस सरकार चुनें जिस पर गरीब, किसान, महिलाएं और युवा भरोसा करें। उन्होंने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के वादों पर एक मिनट का वीडियो भी शेयर की। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि मध्य प्रदेश की जनता घोटालों, झूठ, लोगों को आपस में लड़ाने की साजिशों और कुर्सी को जागीर समझने की मानसिकता को कड़ा सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा, लोग हमें बेहद प्यार और समर्थन दे रहे हैं। मुझे राहत है कि अठारह साल का कुशासन खत्म होने वाला है और मध्य प्रदेश में सच बोलने वाली, जनता की बात सुनने वाली, प्रेम और शांति के रास्ते पर चलने वाली कांग्रेस सरकार आने वाली है।

उन्होंने कहा, लेकिन आपके प्यार का आकलन साधारण बहुमत से नहीं होगा। हमारी सरकार को एक विशाल और व्यापक जनादेश की आवश्यकता है, जिसकी प्रतिध्वनि आपके प्यार और उत्साह से ही हो रही है। आज अपने मन के तूफान को वोट में बदल दीजिये। हमें इतनी सीटें जिताकर विधानसभा में भेजें कि कोई हमारी सरकार चुराने या हाईजैक करने का सपने में भी न सोच सके। मैं जानता हूं- आपके पास यह शक्ति है। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए मतदान और छत्तीसगढ़ में 70 विधानसभा सीटों के लिए दूसरे चरण का मतदान इस समय चल रहा है।

हमास और इजराइल के बीच संघर्ष में नागरिकों के मारे जाने की पीएम मोदी ने कड़े शब्दों में निंदा की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास और इजरायल के बीच जारी संघर्ष पर कहा कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से नई चुनौतियां उभर रही हैं और अब वक्त आ गया है कि 'ग्लोबल साउथ के देशों को पूरी दुनिया के व्यापक हित में मिलकर आवाज उठानी चाहिए। पीम मोदी ने दूसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को वर्चुल तौर पर संबोधित कर यह बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने इजराइल पर आतंकवादी हमले की निंदा की है। इतना ही नहीं हम हमास और इजराइल के बीच संघर्ष में नागरिकों के मारे जाने की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हमने बातचीत, कूटनीति के साथ-साथ संयम पर भी जोर दिया है।' उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ सालों से देख रहे हैं, कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से नई चुनौतियां उभर रही हैं। उन्होंने कहा कि 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' 21वीं सदी की बदलती दुनिया को प्रतिबिम्बित करने वाला सर्वश्रेष्ठ मंच है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम 100 से अधिक देश हैं, लेकिन हमारी प्राथमिकताएं समान हैं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने शिखर सम्मेलन में पांच 'सी'- परामर्श, संचार, सहयोग, रचनात्मकता और क्षमता निर्माण के ढांचे के तहत सहयोग की अपील की। प्रधानमंत्री ने जी20 में अफ्रीकी संघ के शामिल होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा,'' मैं उस ऐतिहासिक क्षण को नहीं भूल सकता जब भारत के प्रयासों से अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था।''

120 घंटों से फंसी हैं 40 जिंदगियां, अब तक नहीं मिली राहत की सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड की एक टनल में फंसे 40 मजदूर बीते 120 घंटों से जिंदगी और मौत के बीच फंसे हुए हैं। उन्हे निकालने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन ऐसी कोई खबर नहीं आई जिससे राहत महसूस किया जा सके। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के एक हिस्से के ढहने से पिछले पांच दिनों से उसके अंदर 40 मजदूर फंसे हुए हैं। सुरंग में फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जिन्हें पाइप के माध्यम से लगातार ऑक्सीजन, पानी, सूखे मेवे सहित अन्य खाद्य सामग्री, बिजली, दवाइयां आदि पहुंचाई जा रही हैं। वहीं अब मलबों के बीच से पाइप डालने के लिए बरमा ड्रिलिंग मशीनें लगाई गई हैं। नॉर्वे और थाईलैंड की विशेष टीमों की भी रेस्क्यू में मदद ली जा रही है। गुरुवार शाम सात बजे तक 21 मीटर तक मशीन से टनल में ड्रिल की जा चुकी है। सुरंग में 45 से 60 मीटर तक मलबा जमा है जिसमें ड्रिलिंग की जानी है।

केंद्रीय मंत्री वी के सिंह ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि 12 नवंबर से सिल्कयारा सुरंग के अंदर फंसे 40 मजदूरों को शीघ्र और सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन बचाव अभियान में दो या तीन दिन और लग सकते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री ने बचाव अभियान की समीक्षा के बाद कहा, यह (निकासी) उससे पहले भी हो सकती है लेकिन ऐसी परिस्थितियों में, हमें दो-तीन दिनों की बाहरी सीमा रखनी चाहिए ताकि अगर कोई बाधा आती है तो हम उससे निपट सकें। हमारी प्राथमिकता है कि वे सुरक्षित रहें। हमारी प्राथमिकता है कि उन्हें जल्द से जल्द निकाला जाए। इसके लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में बनाई जा रही सभी सुरंगों की समीक्षा की जाएगी। 12,000 करोड़ रुपये की चल रही चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के हिस्से के रूप में पहाड़ी राज्य में कई सुरंगें बनाई जानी हैं। सिल्क्यारा सुरंग, जिसके कुछ हिस्से रविवार की सुबह भूस्खलन के बाद ढह गए, भी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा है।

फोर्टिस अस्पताल, नोएडा के निदेशक, इंटरनल मेडिसिन, डॉ. अजय अग्रवाल ने कहा, लंबे समय तक बंद स्थानों में फंसे रहने के कारण पीड़ितों को घबराहट के दौरे का अनुभव हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि छह बिस्तरों वाली एक अस्थायी स्वास्थ्य सुविधा स्थापित की गई है और फंसे हुए श्रमिकों को निकालने के बाद तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए सुरंग के बाहर विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ 10 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं।

डॉ. अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया, इसके अलावा, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड की कमी से परिवेशीय स्थितियां भी उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकती हैं और ठंडे भूमिगत तापमान के लंबे समय तक संपर्क में रहने से संभवतः हाइपोथर्मिया हो सकता है और वे बेहोश हो सकते हैं।

मजदूरों को निकालने के लिए हो रहे प्रयासों के तहत मलबे में 24 मीटर खुदाई की गई है। इसके बाद उन्हे भोजन और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए चार पाइप लगाए हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि निर्माण स्थलों पर अक्सर कई तरह के खतरे होते हैं, जिनमें मलबा गिरना एक बड़ी चिंता का विषय है। गिरने वाली वस्तुओं के प्रभाव से फ्रैक्चर और खुले घावों सहित गंभीर चोटें लग सकती हैं। अस्वच्छ स्थितियों के कारण ये चोटें और भी जटिल हो सकती हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

दिल्ली में अति गंभीर श्रेणी एक्यूआई 437 तक पहुंचा, प्रदूषण से निपटने ऑड-ईवन पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता बदतर हो गई। अब यह अति गंभीर (गंभीर प्लस) श्रेणी के करीब पहुंच गई है। शहर में शुक्रवार सुबह सात बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 437 दर्ज किया गया है, जबकि गुरुवार शाम 4 बजे 419 दर्ज किया गया था। दिवाली की रात आ?तिशबाजी और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं के बाद से दिल्ली में दिन-ब-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है।

मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली प्रदूषण बढ़ने का कारण हवा का बंद और लगातार गिर रहे तापमान से आसमान में धुंध छाई हुई है। वहीं, दिल्ली से सटे गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक 374, गुरुग्राम 404, ग्रेटर नोएडा 313, नोएडा 366, और फरीदाबाद में 415 वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर दर्ज की गई।

बता दें कि राजधानी का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक हर दिन शाम 4 बजे दर्ज किया गया, बुधवार को 401, मंगलवार को 397, सोमवार को 358, रविवार को 218, शनिवार को 220 और शुक्रवार को 279 वायु गुणवत्ता सूचकांक था।

बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए गुरुवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में ग्रेप-चार के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान समय में प्रदूषण की जो स्थिति बनी हुई है उसे लेकर पर्यावरण विशेषज्ञों की राय है कि अगले दो से तीन दिनों तक बहुत खराब श्रेणी में ही बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस बैठक में हमने इस बात की भी समीक्षा की कि अभी तक ग्रेप के नियमों के उल्लंघन करने वालों पर क्या कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि ग्रेप-चार के तहत बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल एलएमवी (चार पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लागू किया गया है। इससे पहले दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुआ है। अगर वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर प्लस श्रेणी में पहुंचता है तो सरकार ऑड-ईवन और कृत्रिम वर्षा पर विचार करेगी। इसके इतर अगस्त में शिकागो विश्वविद्यालय में ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) द्वारा संकलित एक रिपोर्ट में कहा था कि वायु प्रदूषण दिल्ली में लगभग लोगों की उम्र को 12 साल कम कर रहा है।

नहाय-खाय के साथ शुरु हुआ 4 दिनी सूर्य उपासना का छठपर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्य उपासना संबंधी लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया। 17 नवंबर से शुरु यह पर्व चार दिनों तक चलेगा। छठ के पहले दिन अमृत योग और रवि योग बन रहे हैं। इस पर्व के पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य के साथ इस त्योहार का समापन होगा।

इस पर्व संबंधी षष्ठी तिथि 18 नवंबर को सुबह 09 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ होगा जो 19 नवंबर की सुबह 07 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगा। खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस दिन सूर्योदय का समय सुबह 06 बजकर 46 मिनट और सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट है। हालांकि अलग-अलग स्थानों में सूर्यास्त व सूर्योदय का समय भिन्न हो सकता है। तीसरे दिन छठ पूजा की संध्या को सूर्य अर्घ्य(स्वागत समर्पण) दिया जाता है। इस दिन व्रती घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। संध्या अर्घ्य हमेशा सूर्यास्त के समय दिया जाता है। छठ पूजा के दिन यानी 19 नवंबर को संध्या अर्घ्य का समय शाम 05 बजकर 25 मिनट है। इस दिन सूर्योदय समय सूर्य को अर्घ्य देने का समय सुबह 06 बजकर 46 मिनट है। जबकि छठ पूजा का चौथा दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने और व्रत पारण का होता है। इस साल छठ पूजा व्रत का पारण 20 नवंबर को किया जाएगा। इस दिन सुबह 06 बजकर 47 मिनट पर होने वाले सूर्योदय के साथ ही अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट है।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा, अपने जीते जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को नहीं हरा सकते पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 'फर्जी' शराब नीति घोटाला मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा प्रहार किया और आरोप लगाया कि वह सरकार को गिराना चाहते हैं और राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा सरकार बनाना चाहते हैं। हमला तेज करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि पीएम मोदी 'अपने जीवनकाल में दिल्ली में आम आदमी पार्टी को नहीं हरा सकते'। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में शराब घोटाला मामले में पार्टी नेता मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका खारिज करने के बाद आई है। उन्होंने कहा कि चूंकि आम आदमी पार्टी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि आप के खिलाफ बड़ी साजिशें रची जा रही हैं। बीजेपी और पीएम मोदी ने कहा कि वे दिल्ली में आम आदमी पार्टी से नहीं जीत सकते।

केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने 'शराब नीति घोटाला'' की साजिश रची। गुजरात में वास्तविक शराब घोटाला हो रहा है, यहां कई लोगों की मौत हो चुकी है। हमारे नेता मनीष सिसौदिया, संजय सिंह, सत्येन्द्र जैन और विजय नायर को फर्जी शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार किया गया था और अब वे मुझे गिरफ्तार करने जा रहे हैं, उनका इरादा है आप सरकार को गिराएं और पीएम मोदी दिल्ली में सरकार बनाना चाहते हैं, वे जानते हैं कि वे हमें चुनाव के जरिए नहीं हरा सकते। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भले ही वे मुझे जेल में डाल दें, लेकिन आप जेल से जीतेगी।

आप की स्थापना के बाद से अब तक की यात्रा पर विचार करते हुए, केजरीवाल ने कहा कि इसने दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकार बनाई और राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए गुजरात में अपनी सीट का खाता खोला और विश्वास जताया कि वह एक दिन देश पर शासन करेगी। केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने आम आदमी पार्टी को लोकसभा चुनावों में प्रचार करने से रोकने के लिए मुझे जेल में डालने की योजना बनाई है, क्षेत्रीय दलों के लिए भी ऐसी ही योजना है। भाजपा जानती है कि वह दिल्ली में आम आदमी पार्टी को नहीं हरा सकती; साजिशों के कारण आज हमारे 4 नेता जेल में हैं। भाजपा, कांग्रेस के बाद आम आदमी पार्टी तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उन्हें पीछे छोड़ देंगे, एक दिन देश पर शासन करेंगे।

तापमान के 2 डिग्री सेल्सियस अधिक बढ़ने पर दुनियाभर में होगी सैकड़ों मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक विश्लेषण के अनुसार, अगर सदी के अंत तक तापमान 2 डिग्री सेल्सियस (प्री-इंडस्ट्रियल लेवेल से) बढ़ा, तब सदी के मध्य तक सालाना गर्मी से संबंधित मौतों में 370 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये नए वैश्विक अनुमान स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर लांसेट काउंटडाउन की 8वीं वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा हैं। विश्लेषण में बताया गया कि तापमान में हो रही बढ़ोतरी को प्री-इंडस्ट्रियल लेवेल से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की कवायद में होने वाली किसी भी तरह की देरी से दुनियाभर में अरबों लोगों की सेहत और अस्तित्व को विनाशकारी खतरा है।

लांसेट काउंटडाउन के कार्यकारी निदेशक मरीना रोमानेलो ने कहा, हमारे स्वास्थ्य आकलन से जाहिर होता है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे दुनियाभर में जीवन और आजीविका पर भारी पड़ रहे हैं। 2 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म दुनिया के अनुमान एक खतरनाक भविष्य को दर्शाते हैं और एक गंभीर रिमाइंडर है कि अब तक इससे निपटने के लिए किए गए प्रयासों की गति और पैमाने लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं हैं। अब भी प्रति सेकेंड 1,337 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होने के बावजूद हम इतनी तेजी से उत्सर्जन में कमी नहीं कर पा रहे हैं कि जलवायु संबंधी खतरों को उस स्तर के भीतर रख सकें जिससे हमारी स्वास्थ्य प्रणालियां निपट सकें।

विश्लेषण में कहा गया है कि वर्तमान 10-वर्षीय वैश्विक औसत 1.14 डिग्री सेल्सियस ताप पर भी लोगों ने 2018-2022 में औसतन 86 दिनों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक उच्च तापमान का अनुभव किया, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक की संभावना मानव निर्मित जलवायु परिवर्तन के कारण दोगुने से अधिक थी। 1991-2000 की तुलना में 2013-2022 में 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों में 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तापमान में बदलाव न होने पर अपेक्षित 38 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक है। विश्लेषण में दावा किया गया है कि 1981 और 2010 के बीच सालाना की तुलना में 2021 में 122 देशों में 127 मिलियन से अधिक लोगों को मध्यम से गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करने के लिए लगातार तेज गर्मी (हीट वेव) और सूखा जिम्मेदार था।

उदाहरण के लिए, गर्म समुद्रों ने विब्रियो बैक्टीरिया के प्रसार के लिए उपयुक्त विश्व के समुद्र तट के क्षेत्र को 1982 के बाद से हर साल 329 किमी तक बढ़ा दिया है, जो मनुष्यों में बीमारी और मौत का कारण बन सकता है, जिससे रिकॉर्ड 1.4 बिलियन लोगों को डायरिया, गंभीर घाव संक्रमण और सेप्सिस का खतरा है। वैज्ञानिकों ने कहा कि खतरा विशेष रूप से यूरोप में अधिक है, जहां विब्रियो-उपयुक्त तट में हर साल 142 किमी की वृद्धि हुई है। कहा गया है कि 2022 में चरम मौसम की घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाले आर्थिक नुकसान का कुल मूल्य 264 बिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया गया था, जो 2010-2014 की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। गर्मी के संपर्क में आने से 2022 में वैश्विक स्तर पर 490 अरब संभावित श्रम घंटों का नुकसान हुआ (1991-2000 से लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि), जो निम्न (6.1प्रतिशत) और मध्यम आय (3.8प्रतिशत) वाले देशों में आय हानि और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बहुत अधिक अनुपात के लिए जिम्मेदार है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

पलसाणा के बलेश्वर में लापरवाही के कारण चार मजदुरों की मौत पर मुआवजे की मांग

प्रबंधकों और अधिकारियों की लापरवाही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के पलसाना तालुका के बलेश्वर गांव में ब्लॉक नं. 314 प्लॉट नंबर 214 से 226 किरण इंडस्ट्रीज में कंपनी प्रबंधकों की लापरवाही के कारण ४ श्रमिकों की मौत के संबंध में श्रमिकों को मुआवजा देने के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करने और कंपनी का निर्माण क्षेत्रफल कम दिखाकर सरकार की आय को नुकसान पहुंचाने के लिए कंपनी प्रबंधकों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग सहकारिता, किसान नेता एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक ने मुख्यमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री, उद्योग मंत्री, पर्यावरण एवं वन मंत्री, उद्योगिक सूरक्षा और सलमति विभाग, गुजरात पोल्युशन विभाग के सचिवों से कि है।

दर्शन नायक का कहना है कि लोगों द्वारा हमें दी गई जानकारी के अनुसार, ब्लॉक नं. 314 प्लॉट नंबर 214 से 226 किरण इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड जिसके सभी भूखंडों का क्षेत्रफल 12,159.00 वर्ग मीटर है। जिसमें हरित पट्टी 500 वर्ग मीटर है। एवं खुली जगह 4470.00 वर्ग मी. आरक्षित है उसे कुल क्षेत्रफल से घटाकर कुल निर्माण 7189 होना चाहिए। जिसका उल्लेख गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उद्योग प्रोफ़ाइल में किया गया है जिसका सूरत पीसीबी आईडी नंबर है। 62076 है। किरण इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड उत्पादन शुरू होने की तिथि- 01/04/2019 अंकित की गई है। बालेश्वर समूह ग्राम पंचायत की सामान्य बैठक दिनांक 28/02/2022 में प्रस्ताव क्र. 4(34) में पंचायत की आय बढ़ाने का उद्देश्य बताते हुए २ करोड़ रुपये का आकलन किया गया है। बलेश्वर ग्रुप ग्राम पंचायत के अनुसार किरण इंडस्ट्रीज प्रा.लि. लिमिटेड का तटस्थ मूल्यांकन नहीं किया गया है। जिसके कारण सरकारी खजाने और ग्राम पंचायत की आय को भारी नुकसान पहुंचाया।

इन आंकड़ों को लेकर पूर्व सरपंच ने किरण इंडस्ट्रीज को नोटिस भी दिया था। कुल 15,88,00,000/- (पंद्रह करोड़ अट्ठासी लाख) का 1.5 प्रतिशत व्याज 23,82,000 रुपये के लाभ का राज्य सरकार को और ग्राम पंचायत को नुकासान, 2,38,200 का जिला पंचायत को , 1,19,100 का तालुका पंचायतों को नुकसान हुआ है। इस प्रकार, कुल वार्षिक हानि 27,29,300 है। इस प्रकार, पिछले 5 वर्षों में 1,36,96,500/- (एक करोड़ छत्तीस लाख छह हजार पांच सौ) रुपये का नुकसान सरकारश्री एवं पंचायत को हुआ है। यह गणना स्टाम्प ड्यूटी अधिनियम 2011 के तहत निर्माण की निर्धारित दर के तहत की जाती है।

ग्राम पंचायत के अधिकारियों ने पदाधिकारियों ने किरण इंडस्ट्रीज को आर्थिक लाभ कराकर सरकार को नुकसान पहुचाने का आरोप

इसके अलावा, 14/11/2023 को किरण इंडस्ट्रीज के प्रबंधकों और अधिकारियों की लापरवाही के कारण ४ श्रमिकों की मृत्यु हो गई। जो बहुत दुखद है। किरण इंडस्ट्रीज पिछले कई वर्षों से बलेश्वर गांव और आसपास के गांवों में प्रदूषण फैला रही है। इस इकाई ने ईटीपी के भूमिगत टैंक बनाए हैं जो लगभग 40 से 50 फीट गहरे हैं। हालाँकि इस टैंक की क्षमता केवल एक व्यक्ति के घूमने की है, लेकिन इस इकाई के प्रबंधकों ने इस टैंक को साफ करने के लिए 4 कर्मचारियों को नियुक्त किया। ऐसे में स्थानीय लोगों का मानना है कि मैनेजर और कंपनी के अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन चारों मजदूरों की मौत हुई है।

उपरोक्त सहायक साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि ग्राम पंचायत बालेश्वर के अधिकारी और पदाधिकारी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने और सरकारी संपत्ति और उसके राजस्व को संरक्षित और बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। साथ ही तमाम जानकारियों और सबूतों के बावजूद पिछले कई सालों से यूनिट को बिना उचित मूल्यांकन के आंख मूंदकर अवैध लाभ दिया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों के बीच चल रही अफवाहों के मुताबिक ग्राम पंचायत बलेश्वर के अधिकारी बलेश्वर गांव की इकाइयों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर रहे हैं।जिसके कारण सारी जानकारी होने के बावजूद भी गलत तरीके से अवैध तरीके से कम मूल्यांकन कर पंचायत अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधानों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि ग्राम पंचायत बालेश्वर के अधिकारियों और पदाधिकारियों के खिलाफ उचित कार्वाई की जाए।

महल जैसा दिखता है सूरत एयरपोर्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जनवरी-2019 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने टर्मिनल भवन विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक मार्ग और विमान पार्किंग सहित सुविधाओं के साथ सूरत हवाई अड्डे के पुनर्विकास के लिए 353 करोड़ रुपये की परियोजना को हरी झंडी दिखाई। इसमें से 138.48 करोड़ रुपये की लागत से मौजूदा टर्मिनल भवन के दोनों ओर विस्तार के लिए एक नए टर्मिनल भवन का निर्माण किया गया है। इस बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है। 17 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सूरत एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग, तीन एयरो ब्रिज, पैरेलल टैक्सी ट्रैक वे, पार्ट-एयरक्राफ्ट पार्किंग एरिया का उद्घाटन कर सकते हैं। सूरत हवाई अड्डे के मौजूदा टर्मिनल भवन को 8,474 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 25,520 वर्ग मीटर तक किया जाएगा। 17 दिसंबर को सूरत डायमंड बुर्स के साथ एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग समेत जो काम पूरे हो चुके हैं, उनकी लॉन्चिंग हो सकती है।

सूरत हवाई अड्डे के टर्मिनल विस्तार से मौजूदा यात्री क्षमता 17.5 लाख से बढ़कर 26 लाख हो जाएगी। 72 करोड़ रुपये की लागत से एप्रन का काम भी चल रहा है। सूरत एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एयरोब्रिज की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। एयरपोर्ट पर 5 नए एयरोब्रिज में से 4 एयरोब्रिज लगाए जा चुके हैं। एएआई (भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण) ने सूरत के सीमा शुल्क अधिसूचित हवाई अड्डे पर नई वाहन पार्किंग सुविधाएं बनाई हैं। जिसमें 264 चार पहिया वाहन, 120 टैक्सी, 5 बसें, 60 दो पहिया वाहन, 88 स्टाफ चार पहिया वाहन, 115 स्टाफ दो पहिया वाहन और 12 वीआईपी चार पहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। यानी 482 चार पहिया और 175 दोपहिया वाहनों को एयरपोर्ट पार्किंग के लिए तैयार किया गया है।

सूरत एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग 25,520 वर्ग मीटर तक फैली, हीरे से जगमगाते एयरपोर्ट की अंदर की झलक देखें

17 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन कर सकते हैं

एयरपोर्ट का पूरा पार्किंग क्षेत्र 15,100 वर्ग मीटर है। एयरपोर्ट की नई पार्किंग में रिक्शों को खास पहचान दी गई है। सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए अलग-अलग प्रस्थान और आगमन की सुविधाएं होंगी। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए प्रस्थान और आगमन की सुविधा टर्मिनल भवन के प्रथम तल पर होगी। इस तरह इस टर्मिनल का निर्माण किया गया है।

आने वाले समय में टर्मिनल बिल्डिंग के दोनों तरफ की दीवारों को हटाकर एक विशाल टर्मिनल में तब्दील कर दिया जाएगा। नया एयरोब्रिज चालू हो गया है। साथ ही सरकार चाहे तो एक तरफ का समानांतर टैक्सी वे भी तैयार है। जिसे लॉन्च भी किया जा सकता है। नवनिर्मित टर्मिनल भवन विस्तार से सूरत हवाई अड्डे पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल भवनों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास व्यवस्था बनेगी।

उन्नत टर्मिनल भवन में रिजर्व लाउंज, बैंक एटीएम, सेंट्रल डिस्प्ले स्क्रीन, वेटिंग एरिया, 20 चेक-इन काउंटर, 13 इमिग्रेशन काउंटर और 5 बैगेज कैरो सेल की आधुनिक सुविधाएं होंगी। अपग्रेड के बाद सूरत हवाई अड्डे की हयात टर्मिनल बिल्डिंग इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट के लिए ग्रीन रेटिंग 4-स्टार के अनुरूप होगी। पीक आवर्स के दौरान यह 1800 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। टर्मिनल भवन जल्द ही यात्रियों के लिए आसान, आरामदायक और परेशानी मुक्तयात्रा के लिए अनुकूल होगा।

नेचर पार्क और एक्वेरियम में एक लाख से अधिक पर्यटकों के आने से नगर निगम को 34 लाख की आय

म्यूनिसिपल नेचर पार्क में 86971,एक्वेरियम में 13500 पर्यटक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :दिवाली की छुट्टियों के साथ ही सूरत के लोग विदेश या दूसरे राज्यों में घूमने के लिए निकल जाते हैं, जिसके कारण सूरत शहर लगभग आधा खाली हो जाता है। लेकिन सूरत में छुट्टियां मनाने वाले सूरतवासी भी घूमने के लिए जगह हाऊसफुल कर रहे हैं।

छुट्टियों के दौरान सूरत नगर पालिका के नेचर पार्क (चिड़ियाघर), एक्वेरियम में लगभग एक लाख लोग मुलाकात करने आये जिससे नगर पालिका को 34 लाख की आय हुई है। वर्तमान दिवाली अवकाश के कारण ऐसे दृश्य निर्मित हो रहे हैं जहां सूरत नगर निगम के मनोरंजन स्थलों पर सूरतियों ने कब्जा कर लिया है। सूरत नगर निगम के चिड़ियाघर नेचर पार्क, एक्वेरियम और गोपी झील जैसे शहर और बगीचों में हाऊसफुल जैसा माहौल है। लोगों को मनोरंजन के लिए परेशानी न हो इसलिए सोमवार की छुट्टी भी रद्द कर दी गई है। अवकाश के चलते मनोरंजन स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ने से नगर निगम की आय भी बढ़ रही है।

फिलहाल दिवाली की छुट्टियाँ आने के कारण कई सूरती बाहरगांव घूमने निकले हैं। लेकिन सूरत में रहनेवाले और उनके वहां आए मेहमान सूरत नगर निगम के दर्शनीय स्थल तक पहुंच रहे हैं। सूरत के सरथाणा क्षेत्र में नगर निगम का चिड़ियाघर (नेचर पार्क) इस समय आगंतुकों से भरा हुआ है। 9 से 16 नवंबर के बीच नगर पालिका के नेचर पार्क में 86971 पर्यटक उमड़े। जिसमें भी 14 नवंबर को सबसे ज्यादा 25081 पर्यटक नगर पालिका के नेचर पार्क में आये।

इतने दिनों में नगर पालिका को 24.71 लाख की आय हुई। दिवाली की छुट्टियों के दौरान, पाल स्थित म्यूनिसिपल एक्वेरियम में 13,451 पर्यटक आए, जिसके परिणामस्वरूप नगर पालिका को 11 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। इस प्रकार, दिवाली की छुट्टियों के केवल नौ दिनों में, लगभग एक लाख लोग सूरत नगर पालिका के पर्यटन स्थल में आए जिससे नगर निगम को 34 लाख रुपये की आय हुई।

ब्रेन डेड महिला का अंगदान, छह लोगों को दी नई जिंदगी

ब्रेनडेड महिला को श्रध्दांजली देते परिवार के सदस्य

फेफड़े हवाई मार्ग से अहमदाबाद भेजे गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,कपड़ा और हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में मशहूर हो रहा है। सूरत से एक और अंगदान डोनेट लाइफ संस्था द्वारा बीएपीएस प्रमुख स्वामी अस्पताल से किया गया है। माह्यावंशी समुदाय की रेखाबेन किशोरभाई राणा उम्र 47 वर्ष के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से ब्रेनडेड रेखाबेन के फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान कीं और 6 लोगों को नई जिंदगीदेकर मानवता की खुशबू फैलाने के साथ समाज को एक नई दिशा दिखाई है। साबरकांठा के धनसुरा निवासी 37 वर्षीय महिला का अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया है। फेफड़ों को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा बीएपीएस प्रमुख स्वामी अस्पताल से सूरत हवाई अड्डे तक एक ग्रीन कॉरिडोर मार्ग का निर्माण किया गया था।

239, हीरापन्ना सोसायटी विभाग 1कीम निवासी 47 साल की रेखाबेन कीम में एक बिस्किट फैक्ट्री में पैकिंग वर्कर के रूप में काम करती हैं। 7 नवंबर को तडके सुबह 3:30 बजे उनके परिवार के सदस्यों ने खेंच की बिमारी के कारण उन्हें सायन जीवन रक्षा अस्पताल में भर्ती कराया। उन्हें 10 नवंबर को सूरत के शेल्बी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डायग्नोस्टिक एमआरआई से गुजरने के बाद ब्रेन स्टेम का निदान किया गया। आगे के इलाज के लिए, परिवार ने उन्हें बीएपीएस प्रमुखस्वामी अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी से इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया और इलाज शुरूहो गया। 15 नवंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी ने रेखाबेन को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी और सूरत डिस्ट्रिक्ट मह्यावंशी वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. नवीनचंद्र कंथारिया ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मांडलेवाला से फोन पर संपर्क किया और ब्रेनडेड रेखाबेन के परिवार की अंगदान की इच्छा के बारे में बताया।

डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और रेखाबेन के पति किशोरभाई, बेटा जेविन, बेटी जितिक्षा और परिवार के अन्य सदस्यों को अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया। रेखाबेन के पति किशोरभाई, जो कीम पुलिस स्टेशन में ग्राम रक्षक बल में काम करते हैं, ने कहा कि जब डॉक्टरों ने मेरी पत्नी रेखा को ब्रेन डेड घोषित कर दिया, तो मैंने अस्पताल में अंग दान का पोस्टर देखा और हमने सोचा कि मृत्यु के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। मेरी पत्नी के अंगों के दान से अंग विफलता रोगियों को नया जीवन मिल जाए, इससे बेहतर कोई काम नहीं हो सकता।

परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा फेफड़े सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद को आवंटित किए गए थे, लिवर और किडनी आईकेडीआरसी, अहमदाबाद को आवंटित किए गए थे। जबकि चक्षु लोकदृष्टि चक्षुबैंक ने स्वीकार किया।

दान किया फेफड़े का प्रत्यारोपण साबरकांठा के धनसुरा निवासी 37 साल की महिला में अहमदाबाद के सिम्स हॉस्पिटल में किया गया।दान से प्राप्त लीवर का प्रत्यारोपण अहमदाबाद निवासी ४३ वर्षीय व्यक्तिमें अहमदाबाद के आईकेडीआरसी में किया गया। जबकि अहमदाबाद के आईकेडीआरसी में दो जरूरतमंद मरीजों में दोनों किडनी का ट्रांसप्लांट किया जा रहा है।

फेफड़ों को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा बीएपीएस प्रमुख स्वामी अस्पताल से सूरत हवाई अड्डे तक एक ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। गौरतलब है कि हृदय, फेफड़े, हाथ, छोटी आंत, लीवर और किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों को समय पर देश के विभिन्न शहरों में पहुंचाने के लिए सूरत शहर पुलिस द्वारा अब तक 108 ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया है।